वर्ष : 26 | अंक : 192 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बुधवार, 03 जुलाई, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

हाथरस भगदड़ हादसा

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

बाबा के सेवादारों की धक्का मुक्की से मची भगदड़

हाथरस (एजेंसी)। हाथरस में सत्संग के दौरान हुई भगदड़ में अब तक 121 लोगों की मौत हो चुकी है। अभी भी 20 लोग लापता हैं। वहीं सत्संग वाले 'भोले बाबा' हादसे के बाद से ही फरार हैं। बाबा के मैनपुरी स्थित रामकुटी आश्रम पर रात को ही पुलिस का पहरा बैठा दिया गया है। इस बीच बताया जा रहा है कि आयोजनकर्ताओं ने 80 हजार की भीड़ के लिए अनुमति मांगी थी। आयोजनकर्ता को तय मानकों के मुताबिक बहुत सारी व्यवस्था करनी चाहिए थीं, जो सत्संग के दौरान नहीं की गई। इस दर्दनाक हादसे की रिपोर्ट एसडीएम ने डीएम को सौंप दी है। शुरूआती रिपोर्ट में कहा गया

121 जिंदगियां लील लेने वाला सत्संग

एसडीएम की जांच रिपोर्ट में बड़ा खुलासा

है कि बाबा के सुरक्षाकर्मियों द्वारा की गई धक्का-मुक्की के बाद भगदड़ मची।

सिकंदराराऊ कोतवाली क्षेत्र के जीटी रोड स्थित गांव फुलराई के पास हादसा हुआ था। जहां नारायण साकार विश्व हरि के नाम से प्रसिद्ध 'भोले बाबा' के कार्यक्रम में लाखों की संख्या में भक्तों की भीड़ जुटी थी। जबकि, इजाजत सिर्फ 80 हजार लोगों की थी। सत्संग समाप्त होने के बाद वहां निकलते समय भगदड़ मच गई और इस भगदड़ के चलते 121 लोग जान गंवा बैठे। इसमें ज्यादातर महिलाएं हैं। हादसे में 28 लोग घायल हैं और अभी भी 20 लोग लापता हैं। घटनास्थल पर सिर्फ हादसे के निशान बचे हैं। इस हादसे में मुख्य सेवादार देव प्रकाश मधुकर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है जो फरार है। उसके घर पर भी ताला लगा हुआ है।

भगदड़ में दादरी की प्रेमवती की मौत

दादरी की तुलसी विहार कॉलोनी की निवासी (70 वर्षीय) प्रेमवती भी हाथरस हादसे में मृतकों मे शामिल हैं। वह सोमवार को अपनी बेटी कमलेश के साथ सत्संग में शामिल होने के लिए हाथरस गई थीं। कमलेश ने बताया कि मंगलवार को जब सत्संग समाप्त हुआ तो सभी श्रद्धालु बाबा के पैरों की धूल लेने के लिए आगे बढ़ रहे थे। इस दौरान भीड़ का एक झोंका आया और उसमें उनकी मां दब गईं। कमलेश ने किसी तरह खुद को संभाला और मां को भीड़ में से खींचने की कोशिश की। लेकिन इसके बाद भीड़ का दूसरा झोंका आया और उनकी मां को रौंदकर चला गया। प्रेमवती के परिजन शव लेने हाथरस गए हैं।

हाथरस हादसे में घायलों से मिले सीएम योगी

हाथरस (एजेंसी)। हाथरस में हुए हादसे के बाद आज सुबह उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हाथरस पहुंचे। सीएम राजकीय हेलीकॉप्टर से हैलीपेड पर उतरे। यहां से मुख्यमंत्री सीधे सर्किट हाउस गए जहां उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठक की। उनके साथ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी, लक्ष्मीकांत चौधरी भी मौजूद थे। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी हाथरस में भगदड़ से घायल हुए पीड़ितों से मिलने जिला अस्पताल पहुंचे। यहां उन्होंने भगदड़ की घटना में घायल हुए लोगों से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। मुख्यमंत्री अस्पताल में घायलों से मिलने के बाद सीधे घटनास्थल ग्राम फूलरई मुगलगढी पहुंचे। जहां उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया।

यह सरकार की लापरवाही है : अखिलेश यादव

"हाथरस हादसे पर समाजवादी पार्टी सांसद अखिलेश यादव ने कहा, यह बहुत दर्दनाक है। जिन परिवारों के सदस्यों की जान गई है उन्हें दुख सहने की शक्ति मिले। जो हादसा हुआ है यह सरकार की लापरवाही है। ऐसा नहीं है कि सरकार को इस कार्यक्रम की जानकारी न हो। जब कभी भी इस प्रकार के कार्यक्रम होते हैं तो बड़ी संख्या में लोग इसमें शामिल होते हैं। इस लापरवाही से जो जानें गईं है उसकी ज़िम्मेदार सरकार है। कोई अगर अस्पताल पहुंच भी गया तो उन्हें पर्याप्त इलाज नहीं मिल पाया। ना ऑक्सीजन, ना दवाई, ना इलाज मिल पाया। इसकी ज़िम्मेदार भाजपा है जो बड़े-बड़े दावे करती है कि हम विश्वगुरु बन गए हैं। क्या अर्थव्यवस्था का मतलब यह है कि किसी आपातकाल स्थिति में आप लोगों का इलाज न कर पाएं?

सूट-बूट वाला बाबा!

इंटेलीजेंस विभाग के सिपाही सूरज पाल सिंह ने 17 साल पहले नौकरी से इस्तीफा दिया और खुद को नई पहचान दी। ये पहचान थी साकार विश्व हरि की। अंदाज संत महात्मा और प्रवचन देने वालों से एकदम अलग। सूट-बूट और काला चश्मा, मंच पर चांदी का चमकता सिंहासन और बगल में दूसरी कुर्सी पर पत्नी। पूजा सामग्री और न प्रसाद फल-फूल। उत्तर प्रदेश के जिलों से निकलते हुए आस्था का साम्राज्य देश के कई राज्यों में गांव-गांव तक पहुंच गया। पुलिस प्रशासन, नेता और मीडिया से दूरी बनाकर भोले बाबा गरीब, वंचित समाज का परमात्मा बन गया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

एफआईआर में नारायण साकार उर्फ भोले बाबा का नाम नहीं

हाथरस हादसे में दर्ज की गई एफआईआर के मुताबिक, आयोजकों ने 2 जुलाई को हुए कार्यक्रम में 80 हजार लोगों के आने की बात कही थी। लेकिन इसमें यूपी समेत दूसरे प्रदेशों से करीब ढाई लाख लोग आ गए जिससे पूरी व्यवस्था बिगड़ गई और जब बाबा सत्संग करके निकलने लगे तो उनके भक्त उन्हें देखने के लिए तथा उनके चरणों की धूल लेने के लिए भक्त दौड़ पड़े जिससे भीड़ बेकाबू हो गई। इसी बीच भगदड़ मच गई। एफआईआर में कहा गया है कि आयोजकों ने साक्ष्य छिपाए और शर्तों का उल्लंघन किया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

फर्जी मॉर्कशीट व आधार कार्ड बनाने वाला दबोचा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। हाई स्कूल व इंटर मीडिएट की फर्जी मार्कशीट के साथ-साथ फर्जी आधार कार्ड बनाने वाले एक आरोपी को थाना कासना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इसके पास से 10वीं, 12वीं की फर्जी मार्कशीट, फर्जी आधार कार्ड, प्रिंटर, कीबोर्ड, सीपीयू, फिंगर मशीन आदि बरामद हुई है।

थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि पुलिस टीम गश्त पर थी। इस दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि फर्जी सर्टिफिकेट व फर्जी पते पर आधार कार्ड बनाने वाला एक जालसाज कासना कस्बे में स्थित अमीचंद इंटर कॉलेज के पास आने वाला है। मुखबिर के इशारे पर पुलिस टीम ने अमीचंद स्कूल के पास से एक व्यक्ति को दबोच लिया। तलाशी में इसके पास से एक प्रिंटर, कीबोर्ड, सीपीयू, फिंगर मशीन, दो आधार कार्ड, इंटरमीडिएट की एक, हाई स्कूल की दो तथा आईटीआई की तीन प्रमाण पत्र मिले। गहनता से जांच करने पर यह प्रमाणपत्र फर्जी पाए गए। पूछताछ में पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम कुलदीप कुमार पुत्र हरि सिंह निवासी कुलेसरा बताया। आरोपी ने बताया कि वह जरूरतमंद लोगों से पैसे लेकर उन्हें फर्जी प्रमाण पत्र व फर्जी आधार कार्ड उपलब्ध कराता था। इसके लिए वह दूसरे डॉक्यूमेंट को कंप्यूटर में डाउनलोड कर उसमें छेड़छाड़ के बाद फर्जी पता अंकित कर देता था। आरोपी ने सैकड़ों फर्जी प्रमाण पत्र व फर्जी आधार कार्ड बनाना स्वीकार किया है। थाना प्रभारी का कहना है कि इस बात की जांच की जा रही है कि आरोपी ने कितने लोगों को फर्जी प्रमाण पत्र उपलब्ध कराए हैं। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया है।

ढाबे पर रूके कार चालक से मारपीट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। बील अकबरपुर गांव के पास श्याम ढाबा पर रुके कार चालक के साथ ब्रेजा कार सवार 3 युवकों ने लाठी डंडों से मारपीट कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना को अंजाम देने के बाद हमलावर युवक जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पीड़ित के दोस्त ने थाना दादरी में अज्ञात हमलावरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। ग्राम कलोंदा निवासी वाहिद खान अपनी किया सेल्टो कार से पंजाब के लिए जा रहा था। वह बील अकबरपुर गांव के पास श्याम ढाबे पर पानी की बोतल लेने के लिए रुका। इस दौरान पीछे से आई ब्रेजा कार में सवार तीन युवकों ने उसके साथ गाली गलौज शुरू कर दी। वाहिद खान ने जब इस बात का विरोध किया तो तीनों युवक वहां से चले गए। इसके बाद वाहिद खान अपनी कार लेकर पेरीफेरल एक्सप्रेसवे की तरफ चल दिया। एक्सप्रेस-वे से पहले ब्रेजा कार सवारों ने उसकी गाड़ी रुकवा दी और लाठी डंडों से उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। मौके पर इकट्ठा हुए लोगों ने किसी तरह वाहिद खान को हमलावरों के चंगुल से छुड़ाया। जिसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए अपनी कार में बैठकर फरार हो गए। (शेष पृष्ठ-3 पर)

घर में थी अकेली, फंदे से लटकी मिली किशोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में एक किशोरी व महिला ने फांसी लगाकर जान दे दी। दोनों के पास से ही कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि मानसिक अवसाद के चलते दोनों ने फांसी लगाई है।

थाना ईकोटेक-3 क्षेत्र के पुराना सुत्याना गांव में रहने वाले जयप्रकाश व उनके परिजन किसी कार्य से घर से बाहर गए हुए थे। घर में उनकी (17 वर्षीय) बेटी भावना अकेली थी। शाम के समय जब परिजन वापस घर लौटे तो उन्हें भावना फांसी के फंदे पर लटकी हुई मिली। परिजनों ने भावना को फंदे से उतारा और चिकित्सक के पास ले गए जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

थाना प्रभारी ने बताया कि मौके से

फंदे पर लटकी मिली विवाहिता

कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि किशोरी कुछ दिनों से परेशान चल रही थी। परिजन भी किशोरी द्वारा आत्महत्या किए जाने का कोई ठोस कारण नहीं बता पाए हैं। वहीं थाना बिसरख क्षेत्र के साइन उपवन सोसायटी में किराए पर रहने वाले फिरोजाबाद निवासी विपिन यादव (शेष पृष्ठ-3 पर)

भारतीय किसान परिषद के आहवान पर किसान आज जिलाधिकारी कार्यालय का घेराव करने के लिए कूच करते हुए किसानों के घेराव को देखते हुए सूरजपुर स्थित जिलाधिकारी कार्यालय के आसपास भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

हड़ताली कर्मचारियों की वार्ता जारी, वेतन वृद्धि की कर रहे हैं मांग

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टरों तथा गांव में घरों से कूड़ा उठाने वाली कंपनी एजी एनवाइरो के कर्मचारियों की हड़ताल वार्ता के बाद भी समाप्त होती नजर नहीं आ रही है। सफाई कर्मचारी वेतन वृद्धि की मांग को लेकर दो दिनों से हड़ताल पर हैं। खबर लिखे जाने तक एजी एनवाइरो के प्रबंधकों के साथ सफाई कर्मियों की वार्ता चल रही थी। नोएडा प्राधिकरण के जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सफाई कर्मचारी की कंपनी के प्रबंधकों के साथ सेक्टर-94 में वार्ता चल रही है, लेकिन खबर लिखे जाने तक वार्ता का कोई निष्कर्ष नही निकला है। उधर वैकल्पिक तौर पर प्राधिकरण के जन स्वास्थ्य विभाग ने सेक्टरों से कूड़ा उठाने के लिए गाड़ियों की व्यवस्था की है। हड़ताल के कारण लोगों को काफी परेशानी हो रही है।

स्कूटी पर सवार महिला कांस्टेबल की दुर्घटना में मौत

नोएडा (चेतना मंच)। बेलगाम वाहनों की चपेट में आने से दिल्ली पुलिस की महिला कांस्टेबल सहित दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। महिला कांस्टेबल ड्यूटी खत्म कर स्कूटी से अपने घर लौट रही थी। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की ग्रीन रेजिडेंसी में रहने वाली लक्ष्मी पत्नी अजय कुमार दिल्ली पुलिस में कांस्टेबल थी। 2 जुलाई को वह ड्यूटी खत्म कर स्कूटी से वापस अपने घर आ रही थी। डीएनडी टोल पर पीछे से तेज गति में आ रहे टाटा कंपनी के कैंटर ने लक्ष्मी की स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में महिला कांस्टेबल गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस महिला कांस्टेबल को अस्पताल लेकर पहुंची जहां चिकित्सकों से मृत घोषित कर दिया। इस संबंध में मृतक के पति अजय कुमार ने कैंटर चालक के (शेष पृष्ठ-3 पर)

6 गांवों की भूमि का अधिग्रहण कर कब्जा हस्तगत : बच्चू सिंह

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के विस्तारीकरण के तहत 6 गांवों में कुल 1181.2793 हेक्टेयर भूमि के अधिग्रहण की कार्यवाही पूरी कर ली गई है। नोडल एजेंसी यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के डिप्पी कलेक्टर भूलेख अजय कुमार शर्मा, तहसीलदार प्रभात कुमार तथा नायब तहसीलदार मनीष सिंह को कब्जा प्राप्त कर हस्तगत कर दिया गया। यह जानकारी अपर जिलाधिकारी भू-अध्याप्ति बच्चू सिंह ने दी है।

उन्होंने बताया कि नोएडा

इन्टरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर के विस्तारीकरण (स्टेज-2/ फेज-1) के लिए 'भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार (शेष पृष्ठ-3 पर)

बॉटेनिकल गार्डन मेट्रो स्टेशन से फोन चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के बॉटेनिकल गार्डन मेट्रो स्टेशन पर चोर ने एक व्यक्ति का मोबाइल फोन चोरी कर लिया। पीड़ित ने अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। ग्रेटर नोएडा निवासी साजिद अली कादरी ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह 2 जुलाई को बॉटेनिकल गार्डन मेट्रो स्टेशन पर मेट्रो ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। इस दौरान किसी व्यक्ति ने मौका पाकर उनकी जेब से मोबाइल फोन चोरी कर लिया। उन्होंने अपने मोबाइल फोन की तलाश की लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। फोन करने पर उनका नंबर स्विच ऑफ मिला। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। बता दें कि मेट्रो स्टेशनों पर इन दिनों जेब कतरों का खासा आतंक है। आए दिन मेट्रो स्टेशनों पर मोबाइल चोरी होने की घटनाएं हो रही हैं। मेट्रो स्टेशनों पर सीआईएसएफ के जवानों की भी ड्यूटी रहती है, लेकिन इसके बावजूद भी चोर घटनाओं को अंजाम देने से नहीं चूक रहे हैं।

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs CCTV Controlled Environment Activity Based Learning Well Equipped Library GPS Enable Buses

सत्र 2024 -2025 के लिए एडमिशन प्रक्रिया शुरु
स्कूल कोड 09100110910
सरस्वती ग्लोबल स्कूल
सेक्टर 22 नोएडा
फ़ोन .08750611103

नोएडा से लाखों रूपये के वाहन चोरी

पांच बाइक व एक ई-रिक्शा पर किया हाथ साफ

नोएडा (चेतना मंच)। शहर में वाहन चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। आए दिन चोर लाखों रुपए के वाहनों पर हाथ साफ कर रहे हैं। जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में चोरों ने छह वाहनों पर हाथ साफ कर दिया।

नया बांस गांव निवासी मोहम्मद हैदर ने थाना फेस-3 में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 22 जून की रात्रि को परथला ब्रिज के पास सर्विस रोड से उसकी ई-रिक्शा चोरी हो गई। उसने अपने ई-रिक्शा की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला।

सूरजपुर में रहने वाले संतोष यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि सेक्टर-65 के ए ब्लॉक से उसकी स्प्लेंडर प्लस बाइक चोरी हो गई।

थाना नॉलेज पार्क में तुगलपुर गांव निवासी मनोज कुमार ने बाइक चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। मनोज कुमार ने बताया कि 26 जून की रात्रि को उसने अपनी बाइक घर के बाहर खड़ी की थी। सुबह जब वह सोकर उठा तो उसकी बाइक गायब थी।

थाना सेक्टर-24 में गिझौड़ निवासी भूपेंद्र प्रताप ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि 31 मई की रात को वह मार्केट में कुछ सामान लेने के लिए गया था। सड़क किनारे बाइक खड़ी कर वह सामान खरीदने लगा। कुछ समय बाद जब वह वापस लौटा तो उसकी बाइक गायब थी। थाना बिसरख में (शेष पृष्ठ-3 पर)

नए कानून

जुलाई के आरंभ से ही तीन ऐतिहासिक कानूनी परिवर्तन किए गए हैं। भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम ऐसे ही परिवर्तन हैं, जो औपनिवेशिक अवशेषों को भी खत्म कर देंगे। भारतीय दंड संहिता (आईपीसी,1860) और इंडियन एविडेंस एक्ट, 1872 ब्रिटिश राज की कानूनी व्यवस्थाएं थीं, जिन्हें हम आज भी ढो रहे थे। ये 'उपनिवेश की गुलामी' की याद दिलाती थीं। अब उनके स्थान पर पूर्णतः भारतीय संहिताएं होंगी। आपराधिक प्रक्रिया संहिता भी 1898 की विधिक व्यवस्था थी, लेकिन अब 'भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता' ने उसका स्थान लिया है। ये कानून राज्य के साथ नागरिक के संबंधों और समझौतों को परिभाषित करते थे। कानून का राज स्थापित करने के मद्देनजर बलपूर्वक भी व्यवस्था कार्रवाई करती थी। अर्थात कानूनों का दुरुपयोग होता था। खासकर हमारे आपराधिक न्याय को लेकर कई सवाल और ढेरों आपत्तियां की जाती रही हैं। कानून और दृष्टि अप्रासंगिक हो चुके थे। जेलों में विचाराधीन कैदियों की संख्या असीमित हो गई है। पीड़ित पक्ष को इंसाफ के लिए जिंदगी भर जूतियां घिसनी पड़ती हैं, तब भी इंसाफ की उम्मीद अधूरी है। अदालतों में करोड़ों मामलों की भरमार है। यह बोझ बढ़ता जा रहा है। सब कुछ अनिश्चित और अपरिमित है, लिहाजा इन व्यवस्थाओं में सुधार की गुंजाइश लंबे अंतराल से महसूस की जा रही थी। इन तीनों नए कानूनों पर संसद की स्थायी समितियों में विमर्श किया गया होगा! केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जुलाई, 2020 में विशेषज्ञों की एक समिति गठित की थी। उसने देश के नागरिकों के लिए एक विस्तृत प्रश्नावली तैयार की थी और उसे जारी भी किया गया। उस सूची में आपराधिक वैवाहिक बलात्कार, यौन अपराधों को लैंगिक तौर पर निरपेक्ष बनाना, इच्छा-मृत्यु और राजद्रोह सरीखे अपराधों पर नागरिकों के अभिमत लिए जाने थे। अभिमत कितनी संख्या में आए, कितने राज्यों के किन-किन वर्गों के लोगों ने अपने अभिमत दिए, भारत सरकार ने उनका कोई खुलासा नहीं किया है। दरअसल संसद में ये विधेयक तब पारित किए गए, जब 146 सांसद निलंबित थे और सदनों में एकतरफा बहुमत था, लिहाजा ध्वनि-मत से विधेयक पारित किए गए। बाद में राष्ट्रपति के हस्ताक्षर से वे कानून बन गए, लेकिन इस संदर्भ में अब भी बहुत कुछ किया जाना शेष है। इन तीनों संहिताओं और अधिनियम पर देश का जनमत सामने आना भी शेष है, क्योंकि एक जुलाई से ही ये ऐतिहासिक परिवर्तन लागू किए गए हैं। अब 'प्राथमिकी' का नामकरण तक बदल दिया गया है। सजा के वैकल्पिक स्वरूप के तौर पर सामुदायिक सेवा का प्रावधान भी किया गया है। छोटे अपराधों के लिए 'समरी ट्रायल' को अनिवार्य किया गया है। वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए ट्रायल अब सुनिश्चित होगा। भीड़-हत्या और हिंसा, बाल विवाह बलात्कार ऐसे अपराध हैं, जिनका समयबद्ध और गतिमय ट्रायल अनिवार्य होगा। अधिकतर सलाह-मशविरा, विमर्श कोरोना महामारी के दौरान किए गए, लिहाजा संहिताओं में कुछ बड़े परिवर्तन नहीं जोड़ पाए होंगे। कुछ राज्यों ने भी आपत्तियां की हैं और मांगें भी की हैं। मसलन-कानूनों के नाम अंग्रेजी में नहीं होने चाहिए। क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद करने में काफी वक्त लगता है। कर्नाटक सरकार ने आपत्ति की है कि प्राथमिकी दर्ज करने से पहले प्राथमिक जांच के लिए पुलिस अफसर को 14 दिन का वक्त क्यों दिया जाना चाहिए? धारा 377 को बिल्कुल हटा देने पर भी सवाल किए गए हैं। उप्र कैबिनेट ने एक प्रस्ताव पारित किया है कि अंतरिम जमानत के प्रावधानों में कुछ अपवाद रखे जाएं और इस पर एक अध्यादेश लाया जाए। बहरहाल कुछ राज्यों के आग्रह तार्किक हैं और महत्वपूर्ण भी हैं। इन कानूनों की अभी समीक्षा की जानी चाहिए। नई लोकसभा में जो स्थायी समितियां बनेंगी, उनके सांसद-सदस्यों को पुनरावलोकन के लिए ये संहिताएं दी जाएं।

स्पेशल पैकेज से पहले कुछ नए मापदंड तय

अपने देश में कई राज्य ऐसे हैं जो स्पेशल स्टेटस या स्पेशल पैकेज की मांग केंद्र सरकार से करते आये हैं, लेकिन यह दर्जा या सुविधा इन्हें कबतक मिलेगी, निश्चित रूप से कुछ कहा नहीं जा सकता है। हां, इतना जरूर है कि बिहार, आंध्रप्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना जैसे राज्य समय-समय पर अपने लिए विशेष दर्जे या विशेष पैकेज की मांग करते रहे हैं, जो स्वाभाविक भी है।

बताया जाता है कि पिछड़ेपन, ज्यादा आदिवासी आबादी और कम राजस्व का हवाला देकर उपरोक्त राज्य लंबे समय से अपने लिए विशेष दर्जे (स्पेशल स्टेटस) की मांग करते आये हैं। हालांकि 14वां वित्त आयोग केंद्र सरकार को काफी पहले ही यह सलाह दे चुका है कि इस कैटिगरी में अब किसी राज्य को नहीं जोड़ा जाए। यही वजह है कि कुछ राज्यों ने अब अपने सुर बदल लिए हैं और विशेष दर्जे की जगह विशेष पैकेज की मांग करने लगे हैं।

समझा जाता है कि भले ही पिछली कार्यकाल तक बीजेपी की नरेंद्र मोदी सरकार 14वें वित्त आयोग का हवाला देकर इस मांग को ठुकरा रही थी, लेकिन अब वह आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ टीडीपी और बिहार में काबिज जेडीयू के समर्थन पर टिकी हुई है, इसलिए अब मोदी सरकार भी अपने पुराने रूख पर कायम रह पाएगी, ऐसा मुझे नहीं लगता। हां, इस मांग में इतना बदलाव जरूर दृष्टिगोचर हो रहा है कि अब बिहार और आंध्रप्रदेश जैसे राज्य विशेष दर्जे की जगह विशेष पैकेज की मांग करने लगे हैं, जिससे इंकार करने की कोई वजह भी किसी नहीं दिखती।

दरअसल, विशेष राज्य का दर्जा देने का किस्सा आजादी के बाद के दूसरे दशक में शुरू हुआ, जब केंद्र सरकार ने महसूस किया कि विकास की दौड़ में पिछड़ रहे कुछ राज्यों को सहारा देना होगा। इसके दृष्टिगत योजना आयोग के उपाध्यक्ष डी आर गाडगिल के फार्मूले पर विशेष राज्य का दर्जा यानी स्पेशल कैटिगरी स्टेटस की व्यवस्था की गई। जिसमें पहाड़ी राज्यों, ज्यादा आदिवासी आबादी वाले राज्यों, सीमावर्ती राज्यों, आर्थिक और बुनियादी ढांचे के लिहाज से पिछड़े राज्यों और ऐसे राज्यों पर विचार किया गया, जो अपने लिए पर्याप्त राजस्व की व्यवस्था न कर पाते हों।

इस दृष्टिकोण से प्रारंभ में जम्मू-कश्मीर, असम और नागालैंड को दर्जा मिला। यद्यपि बाद में इसकी सूची बढ़ती गई और अब उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और अरुणाचल प्रदेश सहित 11 राज्य इस सूची में शामिल किए जा चुके हैं। बताया जाता है कि विशेष राज्य का दर्जा प्राप्त करने वाले राज्यों को केंद्र सरकार से ज्यादा वित्तीय मदद मिलती है। ऐसे राज्यों को केंद्रीय योजनाओं के लिए 90 प्रतिशत फंड केंद्र सरकार देती है और 10 प्रतिशत फंड की राज्य सरकार को देनी होती है, यानी 90.10 का अनुपात। जबकि दूसरे राज्यों में यह अनुपात 60ः40 का होता है।

पिछड़ेपन, ज्यादा आदिवासी आबादी और कम राजस्व का हवाला देकर उपरोक्त राज्य लंबे समय से अपने लिए विशेष दर्जे की मांग करते आये हैं। हालांकि 14वां वित्त आयोग केंद्र सरकार को काफी पहले ही यह सलाह दे चुका है कि इस कैटिगरी में अब किसी राज्य को नहीं जोड़ा जाए।

वहीं, विशेष दर्जे वाले राज्यों को कुछ योजनाओं में अलग से भी मदद मिलती है। यही वजह है कि 14वें वित्त आयोग (फाइनैंस कमीशन) ने विशेष राज्य का दर्जा वाली सूची में अब और अधिक राज्यों को न जोड़ने की सलाह दी थी। हालांकि अब एनडीए गठबंधन के दबाव के मद्देनजर मोदी सरकार स्पेशल पैकेज के जरिए बीच का रास्ता निकाल सकती है। इसकी वजह ये है कि अब बिहार की जेडीयू ने अपने प्रस्ताव में स्पेशल स्टेटस या स्पेशल पैकेज की बात कर इसका संकेत दे दिया है। वहीं, आंध्रप्रदेश की टीडीपी भी स्पेशल स्टेटस के बजाय स्पेशल पैकेज पर फोकस कर रही है, क्योंकि चुनावी वायदे को पूरे करने के लिए उसे जल्द ही बड़ी रकम की जरूरत है।

इधर, आर्थिक मामले के जानकारों का कहना है कि सामाजिक-आर्थिक विकास के पैमाने पर बिहार, पश्चिम बंगाल और ओडिशा की मांग जायज है। जबकि आंध्र प्रदेश पिछड़ा नहीं है। यह बात दीगर है कि आंध्रप्रदेश को सबसे ज्यादा राजस्व हैदराबाद से मिलता था और वह उसके हाथ से चला गया। इसलिए उसे विशेष राज्य का दर्जा की जरूरत है। उधर, आंध्रप्रदेश के विभाजन से बना तेलंगाना राज्य को मदद की जरूरत ज्यादा है।

वहीं, बिहार के बारे में दलील दी जा रही है कि पिछले 3 दशकों से वहां का गवर्नेंस ठीक नहीं है। इसलिए जब तक गवर्नेंस ठीक नहीं होगा, विशेष राज्य का दर्जा या विशेष पैकेज देने से बात नहीं बनने वाली है। इसलिए केंद्र सरकार भी पशोपेश में है। वह इस बात को समझ रही है कि यदि इन राज्यों को विशेष पैकेज के नाम पर मदद दे दी जाए तो उस पर अधिक वित्तीय बोझ नहीं आएगा, क्योंकि टैक्स रेवेन्यू रिकॉर्ड तेज रफ्तार से बढ़ रहा है।

वैसे भी कोई राज्य पिछड़ रहा हो तो उसकी मदद की जिम्मेदारी केंद्र की है, क्योंकि वह सबका अभिभावक है। हां, इतना जरूर है कि 21वीं सदी के अनुरूप इस आशय का वह एक नया मानक बनाये और उसी के तहत जरूरतमंद राज्यों की मदद करे। अन्यथा अन्य राज्यों में भी यह मांग उठेगी, जिससे केंद्र सरकार की परेशानी बढ़ेगी। ऐसा इसलिए कि केंद्र में गठबंधन सरकार का युग वापस लौट चुका है और अब हर राज्य अपने संसदीय संख्याबल के हिसाब से केंद्र की बांहें मरोड़ने की तैयारी करते हुए प्रतीत हो रहे हैं, जिससे सचेत रहने की जरूरत है।

- कमलेश पांडेय
वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि यदि मुझ पर श्री शिवजी और पार्वतीजी की स्वप्न में भी सचमुच प्रसन्नता हो, तो मैंने इस भाषा कविता का जो प्रभाव कहा है, वह सब सच हो।। उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

श्री सीताराम-धाम-परिकर वंदना

बंदउँ अवध पुरी अति पावनि। सरजू सरि कलि कलुष नसावनि॥
प्रनवउँ पुर नर नारि बहोरी। ममता जिन्ह पर प्रभुहि न थोरी॥
मैं अति पवित्र श्री अयोध्यापुरी और कलियुग के पापों का नाश करने वाली श्री सरयू नदी की वन्दना करता हूँ। फिर अवधपुरी के उन नर-नारियों को प्रणाम करता हूँ, जिन पर प्रभु श्री रामचन्द्रजी की ममता थोड़ी नहीं है (अर्थात बहुत है)॥
सिय निंदक अघ ओघ नसाए। लोक बिसोक बनाइ बसाए॥
बंदउँ कौसल्या दिसि प्राची। कीरति जासु सकल जग माची॥
उन्होंने (अपनी पुरी में रहने वाले) सीताजी की निंदा करने वाले (धोबी और उसके समर्थक पुर-नर-नारियों) के पाप समूह को नाश कर उनको शोकरहित बनाकर अपने लोक (धाम) में बसा दिया। मैं कौशल्या रूपी पूर्व दिशा की वन्दना करता हूँ, जिसकी कीर्ति समस्त संसार में फैल रही है॥
प्रगटेउ जहँ रघुपति ससि चारू। बिस्व सुखद खल कमल तुसारू॥
दसरथ राउ सहित सब रानी। सुकृत सुमंगल मूरति मानी॥
करउँ प्रनाम करम मन बानी। करहु कृपा सुत सेवक जानी॥
जिन्हहि बिरचि बड़ भयउ बिधाता। महिमा अवधि राम पितु माता॥
जहाँ (कौशल्या रूपी पूर्व दिशा) से विश्व को सुख देने वाले और दुष्ट रूपी कमलों के लिए पाले के समान श्री रामचन्द्रजी रूपी सुंदर चंद्रमा प्रकट हुए। सब रानियों सहित राजा दशरथजी को पुण्य और सुंदर कल्याण की मूर्ति मानकर मैं मन, वचन और कर्म से प्रणाम करता हूँ। अपने पुत्र का सेवक जानकर वे मुझ पर कृपा करें, जिनको रचकर ब्रह्माजी ने भी बड़ाई पाई तथा जो श्री रामजी के माता और पिता होने के कारण महिमा की सीमा हैं॥

(क्रमशः..)

जनांदोलन की जरूरत क्यों?

लोकतांत्रिक पद्धति में चुनाव बेहद अहम भूमिका निभाते हैं, लेकिन क्या हाल के आम चुनाव ने बदलाव की कोई दस्तक दी है? राजनीतिक जमातों और कारपोरेट हितों के गठबंधन ने क्या हमारे लोकतंत्र में आम नागरिकों के लिए कोई गुंजाइश छोड़ी है, इस आलेख में इसी विषय को खंगालने की कोशिश करेंगे। कभी किसी ने सोचा नहीं होगा कि आजादी के पचहत्तर साल होते-होते भारत अपनी सांस्कृतिक, वैचारिक विरासत छोड़कर बिल्कुल विपरीत दिशा में जाने लगेगा। आज सत्ता प्राप्त करने और बनाए रखने के लिए खुले तौर पर छल, कपट की नीतियां अपनाई जा रही हैं। धार्मिक सिद्धांतों के विरुद्ध अनीति को धर्म साबित करने की कोशिश हो रही है। सत्य और अहिंसा का मार्ग छोड़कर झूठ और हिंसा के रास्ते देश चलाया जा रहा है। संवैधानिक भावना के विरुद्ध सभी संवैधानिक संस्थाओं और पदों का दुरुपयोग किया जा रहा है। यह देश का दुर्भाग्य है कि इन सभी बुराइयों को श्रीराम, श्रीकृष्ण और हिंदू धर्म के नाम पर खपाया जा रहा है। देश में धर्म, जाति और आर्थिक आधार पर भेदभाव बढ़ाने वाली नीतियां लागू की जा रही हैं, जिससे धर्म, जाति, वर्ग में शत्रुता की भावना पैदा हो रही है। धार्मिक ध्रुवीकरण करके हिंदू-मुसलमानों के बीच टकराव पैदाकर धार्मिक विद्वेष फैलाने का काम किया जा रहा है। जाति प्रथाओं के पुराने जख्मों को कुरेदकर टकराव पैदा करके समाज को तोड़ने का काम किया जा रहा है। कारपोरेट परस्त नीतियां बनाकर और देश की संपत्ति को कारपोरेट्स के हवाले कर जनता की लूट और अमीरों को छूट का काम किया जा रहा है। राज्यसत्ता प्राप्त करने के लिए सरकार समाज में फूट डालने का काम करती दिख रही है और चाणक्य की साम, दाम, दंड, भेद नीति और सावरकर की गुरिल्ला नीति का खुलकर उपयोग कर रही है।

केंद्र सरकार ने मान लिया है कि देश की विरोधी पार्टियां और राजनीतिक विरोधी उनके शत्रु हैं और उन्हें समाप्त करने के लिए चाणक्य और सावरकर नीति का इस्तेमाल कर विरोधियों को धोखे से मारना उसका कर्तव्य है। सरकार ने इसका लोकतांत्रिक तरीका ढूंढ निकाला है और उसके लिए संवैधानिक संस्थाओं और पदों का हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। अब आम जनता भी मानने लगी है कि सरकार सत्ता के लिए विधायिका, चुनाव आयोग, न्यायपालिका जैसी संवैधानिक संस्थाओं और पदों का हथियार के रूप में उपयोग कर रही है। विरोधी पार्टियों की सरकारें अस्थिर करने, गिराने के लिए विधायकों, सांसदों की खरीद-फरोख्त हो रही है। संसद और विधायिका के अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप करके राज्यपाल, विधायिका के अध्यक्ष या सभापति के अधिकारों का दुरुपयोग किया जा रहा है। चुनाव आयोग और न्यायपालिका सरकार को लाभ पहुंचाने के निर्णय कर रही है। ईडी, सीबीआई, आईटी आदि विभागों का इस्तेमाल कर विरोधियों को डराया जा रहा है। विरोधी पार्टियों को तोड़कर राज्य सरकारों को अस्थिर किया या गिराया जा रहा है। विरोधी पार्टियों की सरकारों के सामने आर्थिक संकट पैदा करने के लिए उनके हक का धन न देना, विकास के लिए डबल इंजन की सरकार जरूरी बताना, सरकार बदलने पर योजनाओं की घोषणाएं करना आदि से केवल विरोधी पार्टियों की सरकारें ही नहीं, उन्हें वोट देने वाले मतदाताओं को भी प्रताड़ित किया जा रहा है। सरकार की योजनाओं, सुविधाओं का क्रियान्वयन और गैस, पेट्रोल की कीमतें, किसानों की मदद, सब्सिडी आदि में सरकार पक्षपात कर रही है। विरोधी पार्टियों की सरकार को अस्थिर करने के लिए ये कुटिल तरीके अपनाए जा रहे हैं। भले ही राजनीतिक पार्टियां मानती हैं कि वे देश चला रही हैं, लेकिन यह सच नहीं है। देश कारपोरेट घराने चला रहे हैं। वे राजनीति में सीधा हस्तक्षेप करके कारपोरेट परस्त नीतियों को लागू करने वाली पार्टियों का खुला समर्थन कर रहे हैं। देश में कौनसी पार्टी सत्ता में आए और कौन प्रधानमंत्री बने, यह कारपोरेट घराने ही तय करते हैं। सरकार जब तक इन घरानों को लाभ पहुंचाने के लिए कारपोरेट परस्त नीतियां बनाती रहेगी, तब तक वह सत्ता में बनी रहेगी। जिस दिन सरकार कारपोरेट्स को लाभ नहीं पहुंचा पाएगी, उस दिन उसे हटा दिया जाएगा।

कारपोरेट घराने उन्हें लाभ पहुंचाने वाली राजनीतिक पार्टियों को कानूनी और गैर-कानूनी तरीके से बड़े पैमाने पर चंदा देते हैं और बदले में कारपोरेटी लूट के लिए जनविरोधी और कारपोरेट परस्त नीतियां बनवाते हैं। सरकारें बनाने और गिराने में धन का दुरुपयोग करते हैं। कारपोरेट घरानों द्वारा मीडिया पर कब्जा किया गया है। ये घराने सरकार के पक्ष में प्रपोगंडा चलाने और विरोधियों के विरुद्ध वातावरण बनाने के लिए मीडिया का खुलकर इस्तेमाल कर रहे हैं। केवल गैर-कानूनी पद्धति से लिया गया धन ही भ्रष्टाचार नहीं है, बल्कि कारपोरेट परस्त नीतियां बनवाने के बदले कानूनी पद्धति से लिया गया धन भी भ्रष्टाचार होता है। देश की जनता को यह जानने का अधिकार है कि इलेक्टोरल बॉन्ड से किसने कितना धन लिया है और उसके बदले में कौनसी नीतियां बनाई गई हैं। इस प्रकार देश को नुकसान पहुंचाने के लिए नीतियां बनाने वालों पर कार्रवाई जरूरी है, लेकिन सरकार अपने विरोधियों को जेल का डर दिखाकर ब्लैकमेल कर रही है। देश की समस्याएं बढ़ रही हैं। किसानों का संकट, कारपोरेटी लूट, आर्थिक विषमता, गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, आरक्षण, महंगी शिक्षा, महंगी स्वास्थ्य सेवा, नशे का व्यापार आदि समस्याओं से लोग चिंतित हैं। धार्मिक और जातीय ध्रुवीकरण बढ़ रहा है। ईवीएम, इलेक्टोरल बॉन्ड जैसे कई गंभीर सवाल खड़े हैं। केंद्र और राज्यों के संबंध में तनाव पैदा हो रहा है। किसानों की मांगें मान्य करने के बजाय खेती को कारपोरेट कंपनियों को सौंपा जा रहा है।

लोगों का धर्म और संविधान, लोकतंत्र और उसके तथाकथित स्तंभों से भरोसा उठ चुका है। दुनिया में कोई कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, जनता की मौन सहमति के बिना किसी पर अत्याचार नहीं कर सकता। अगर सरकार यह दावा कर रही है कि उसने उन्हें वोट देकर चुना है और उन्हीं के समर्थन से वह नीतियों को लागू कर रहे हैं, तो फिर अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने के आरोप से जनता को भी मुक्त नहीं किया जा सकता। इसके लिए जनता भी उतनी ही जिम्मेदार है। भारत कारपोरेट घरानों का गुलाम बन चुका है। प्रतिशोध की राजनीति का नया दौर आरंभ हो चुका है। यह महान देश अपना रास्ता भटक चुका है। उसे सही रास्ते पर लाने की जरूरत है, लेकिन अब चुनावी राजनीति से यह बदलाव शायद संभव नहीं है। भ्रष्टाचार में डूबे लोग देश नहीं बना सकते। इन सबसे देश को मुक्ति देने के लिए देश की जनता को कारपोरेटी लूट और कारपोरेटी मीडिया का विरोध करना होगा। देश के युवाओं को अपनी सांस्कृतिक, वैचारिक विरासत के आधार पर एक महान भारत के निर्माण के लिए फिर से जन-आंदोलन करना होगा। भारत नई क्रांति का इंतजार कर रहा है।

-विवेकानंद माथने
स्वतंत्र लेखक

राशिफल

आषाढ़ कृष्ण पक्ष : त्रयोदशी — **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
मानसिक दुविधा बनी रहेगी। यात्रा में कष्ट संभव है। आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। प्रेम-संतान मध्यम।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। स्वयं के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। व्यापार में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। प्रेम-संतान अच्छा है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
अपमानित होने का भय रहेगा। यात्रा में कष्ट संभव है। कार्यों में विघ्न-बाधा आएगी। स्वास्थ्य ठीकठाक है। प्रेम-संतान अच्छा है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
स्वास्थ्य पर ध्यान दें। चोट-चपेट से बचें। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी है। व्यापार भी अच्छा है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। स्वयं के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। नौकरी-चाकरी में कोई रिस्क न लें।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
विरोधियों पर भारी पड़ेंगे। रुका हुआ कार्य चल पड़ेगा। स्वास्थ्य नरम-गरम। प्रेम-संतान अच्छा। व्यापार भी अच्छा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
प्रेम में तूतू-मैंमैं का संकेत हैं। बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। मानसिक दवाब झेलेंगे। स्वास्थ्य दिक्कत में रहेगा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
घरेलू सुख बाधित रहेगा। भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी में परेशानी होगी।स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम-संतान ठीकठाक।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
कंधे में, नाक-कान व गला में परेशानी हो सकती है। प्रेम-संतान ठीका भरपूर सहयोग मिलेगा। व्यापार मध्यम रहेगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
जुआ, सट्टा व लॉटरी में पैसे न लगाएं। जुबान पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी रहेगी।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। एक भ्रामक-सा मन रहेगा। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
सिरदर्द, नेत्रपीड़ा, अज्ञात भय, खर्च की अधिकता, मानसिक परेशानी बनी रहेगी। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी नहीं है।

भाकियू (अंबावता) के कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त एसडीएम को किया सम्मानित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दादरी तहसील के एसडीएम का पदभार संभालने पर अनुज नेहरा मैका को किसान यूनियन अंबावता संगठन के कार्यकर्ताओं ने सम्मानित किया। जिसमें यूनियन के दादरी तहसील अध्यक्ष किसान नेता राजकुमार रूपवास ने एसडीम अनुज, नेहरा मैडम को किसानों से संबंधित समस्याओं को भी अवगत कराया क्योंकि किसान हमारे देश का अन्नदाता है।

किसान गरीब मजदूर बेसहारा लोगों की समस्या का समाधान होना चाहिए इनको किसी भी प्रकार की कोई भी परेशानी नहीं होनी चाहिए जिसमें दादरी एसडीम नेहरा मैडम का कहना है कि किसी के साथ भी कोई भी दुर्व्यवहार नहीं किया जाएगा सही को सही और गलत को गलत साबित किया जाएगा क्योंकि किसान मजदूर बेसहारा लोगों की समस्या का समाधान करना हमारा कर्तव्य बनता है। जिसमें यूनियन के लोगों ने आभार व्यक्त किया और बधाई देने के दौरान अशोक भाटी पाली, प्रदेश सचिव मनोज भाटी पाली, नगर अध्यक्ष दादरी जयंती प्रसाद, तहसील संरक्षक गीता नागर, ग्रेटर नोएडा महिला प्रकोष्ठ के अध्यक्ष आशु गुर्जर, नोएडा महानगर अध्यक्ष ललित भाटी, सुमित अनिल, मुकेश, सत्येंद्र यादव, नरेंद्र सुधीर आदि पदाधिकारी मौजूद थे।

राकेश बंसल फिर चुने गए चेयरमैन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मच)। आईआईए के नए सत्र का शुभआरंभ हुआ, इस अवसर पर लखनऊ हेड ऑफिस आईआईए भवन, विभूति खंड, गोमति नगर में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया, जिसमे राकेश सचान, मंत्री, एमएसएमई, उत्तरप्रदेश सरकार मुख्य अतिथि आमंत्रित रहे। 150 से अधिक वरिष्ठ पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया, सर्वप्रथम राकेश सचान ने सेंट्रल टीम को अग्रिम वर्ष के लिए शपथ दिलवाई। 1 जुलाई 2024 को हुए इस शपथ ग्रहण समारोह में राकेश सचान ने नीरज सिंघल के अनुग्रह पर राकेश बंसल को पुन: वर्ष 2024-25 के लिए चेयरमैन चुने पर शुभकामनाएं दीं, प्रमाणपत्र दिया एवम शपथ दिलवाई। इस अवसर पर ग्रेटर नोएडा चैप्टर से राकेश बंसल, जेड रहमान, जगदीश सिंह ब राकेश कुमार ने प्रतिभाग किया।

विद्युत आपूर्ति बाधित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। विद्युत उपकेंद्र दनकौर के लतीपुर गांव में पिछले 10 दिन से खराब पड़े ट्रांसफॉर्म को दनकौर एसडीओ व जेईअनिल कुमार शिकायत के बाद भी अनदेखा कर रहे हैं ऐसे चिलचिलाती हुई गर्मी में गांव वासियों का बुरा हाल है जबकि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश को दनकौर एसडीओ अनिल कुमार के लिए कोई मायने नहीं रखता। अब देखना यह होगा कि मुख्यमंत्री के आदेश को अमल में लाया जाता है या नहीं।

एफआईआर दर्ज कराने के लिए भटक रही रेप पीड़िता

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश में नए काननू के तहत मुकदमे दर्ज हो रहे हैं। वहीं न्याय के लिए एक युवती ठोकरें खा रही है। गौतमबुद्धनगर पुलिस उसका मुकदमा दर्ज नहीं कर रही हैं। थाना सेक्टर-20 क्षेत्र में युवती से नौकरी का झांसा देकर होटल में ब्लात्कार किया गया है। पीड़िता ने थाना सेक्टर-20 में शिकायत दी कि 27/06/2024 को आरोपी ने कैब भेजकर लड़की को दिल्ली से बुलवाया और आरोपी का नौकर सीधे होटल में ले जाकर छोड़ा। थोड़ी देर में आरोपी आया और लड़की से ब्लात्कार किया। अब 27 जून 2024 से युवती लगातार थाना सेक्टर-20 के चक्कर काटने को मजबूर है। कोई भी युवती की सुनने वाला नही हैं। युवती ने बताया की आरोपी दबंग हैं उसका वकील और खुद आरोपी थाना सेक्टर-20 में केस वापस लेने के लिए धमका रहा था। पीड़ित ने जब पुलिस से न्याय नही मिली तो मीडिया से मदद मांग रही हैं।

जल संसाधन मंत्री का आज कार्यक्रम टला, कल आएंगे

नोएडा (चेतना मंच)। केन्द्रीय जल संसाधन मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह का आज शाम को नोएडा में होने वाली संगोष्ठी टल गई है। अब वे कल प्रात: 11.00 बजे नोएडा आकर संगोष्ठी को संबोधित करेंगे। भारतीय जनता पार्टी के महामंत्री उमेश त्यागी ने बताया कि कल 4 जुलाई को प्रात: 11.00 बजे सेक्टर-116 स्थित भाजपा महानगर कार्यालय में डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के पूर्व कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगें तथा पौधारोपण भी करेंगे। उन्होंने बताया कि हाथरस में हुए हादसे तथा 121 लोगों की हुई दु:खद मौत के कारण आज केन्द्रीय जल संसाधन मंत्री का शाम को होने वाला कार्यक्रम टल गया है। उधर भाजपा द्वारा पौधारोपण अभियान आज भी कई बूथों व मंडलों पर चलाया गया। यह अभियान 6 जून तक चलेगा।

मोबाइल लुटेरा गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-63 पुलिस ने एक मोबाइल लुटेरे को गिरफ्तार किया है इसके पास से लूट गया एक मोबाइल फोन बरामद हुआ है। पुलिस इसके फरार साथी की तलाश कर रही है। थाना प्रभारी अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि बीते दिनों शनि मंदिर के पास एक युवक से बाइक सवार दो बदमाशों ने मोबाइल फोन लूट लिया था। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया था। विवेचना के दौरान वंश नागपाल, आशु गर्ग के नाम प्रकाश में आए थे। मुखबिर की सूचना के आधार पर एफएनजी रोड से वंश नागपाल को गिरफ्तार कर इसके पास से लूटा गया मोबाइल फोन बरामद कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि इस मामले में फरार आशु गर्ग की गिरफ्तारी के प्रयास किया जा रहे हैं।

हाथरस कांड में बड़ा खुलासा, भोले बाबा के चरण रज लगाने के लिए डिवाईडर से कूदकर आई भक्तों की भीड़

हाथरस (एजेंसी)। हाथरस में नारायण साकार हरि (भोले बाबा) के सत्संग के दौरान मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत के बाद बड़ा खुलासा हुआ है। घटनास्थल पर मौजूद सिकन्दराराऊ के एसडीएम (उप जिलाधिकारी) ने हाथरस के डीएम आशीष पटेल को सौंपी रिपोर्ट में कहा है कि सत्संग समाप्त होने के बाद जब भोले बाबा निकल रहे थे तो सत्संगी उनके दर्शन और चरणरज लेकर अपने माथे पर लगाने के लिए डिवाईडर से कूद-कूद कर दौड़ने लगे। इस दौरान सुरक्षाकर्मियों ने सत्संगियों को रोकने के लिए धक्का-मुक्की की जिस कारण भगदड़ मची।

हाथरस के डीएम को सौंपी रिपोर्ट में एसडीएम ने कहा है कि 02.07.2024 को राष्ट्रीय राजमार्ग-91 सि0राऊ से एटा रोड़ पर स्थित ग्राम फुलरई मुगलगढ़ी के दक्षिण दिशा में श्री नारायण साकार हरि का प्रवचन/सत्संग कार्यकम नियत था। वह मौके पर उपस्थित थे। सत्संग के पंडाल में लगभग 02 लाख से अधिक की भीड़ उपस्थित थी। श्री नारायण साकार हरि (भोले बाबा) लगमग दोपहर 12.30 बजे सत्संग पंडाल में पहुँचे तथा 01 घण्टा कार्यकम चला इसके बाद लगभग 01.40 .बजे श्री नारायण साकार हरि (भोले बाबा) पांडाल से निकलकर राष्ट्रीय राजमार्ग-91 पर एटा की ओर जाने के लिए आये तो जिस रास्ते

से भोले बाबा निकल रहे थे उस रास्ते की और सत्संगी महिला, पुरूष व बच्चे आदि उनके दर्शन व चरण स्पर्श एवं आर्शीवाद स्वरूप उनकी चरण रज लेकर अपने माथे पर लगाने लगे तथा जी0टी0रोड़ के किनारे एवं बीच में बने डिवाइडर पर काफी अधिक संख्या में दर्शन के लिए पहले से लोग खड़े थे, जो डिवाइडर से कूद-कूद कर बाबा के दर्शनार्थ के लिए उनके वाहन की ओर दौड़ने लगे तो बाबा के साथ उनके निजी सुरक्षाकर्मी (ब्लैक कमाडो) एवं सेवादारों द्वारा बाबा के पास भीड़ न पहुँचने की स्थिति में भीड़ के साथ स्वयं ही धक्का-मुक्की करना शुरू कर दिया गया। जिससे कुछ लोग नीचे गिर गये तब भी भीड़ नहीं मानी और अफरा-तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। जिसके कारण भीड़ राहत की सॉस लेने के लिए कार्यकम स्थल के सामने खुले खेत की तरफ सड़क के दूसरी ओर भागी जहाँ सड़क से खेत की ओर उतरने के दौरान ढालनुमा जगह होने के कारण अधिकाश लोग फिसल कर गिर गये।

एसडीएम ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि इसके बाद पुन: सत्संगी उठ नहीं सके और भीड़ उनके ऊपर से होकर इधर-उधर भागने लगी। जिसमें कई महिलाऐं व पुरूष व बच्चे हताहत,/गम्भीर रूप से घायल हो गये। एसडीएम द्वारा मौके पर उपस्थित राजस्व व पुलिस सुरक्षा कर्मियों द्वारा हताहत कर्मियों को एम्बुलेंस एवं मौके पर उपस्थित आदि साधनों से घटना स्थल के आस-पास स्थित अस्पतालों एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सिकन्दराराऊ में भिजवाया गया। जहाँ 89 श्रद्धालुओं को चिकित्सक द्वारा मृत घोषित कर दिया गया एवं कुछ श्रद्धालुओं को जनपद एटा में उपचार के लिए भेजा गया जहाँ चिकित्सक द्वारा 2 श्रद्धालुओं को मृत घोषित किया गया। इस प्रकार मृतकों की कुल संख्या-116 बच्चे, महिला/पुरूष) की हो गयी तथा कुल 23 व्यक्ति घायल है, जिनमें से 11 का उपचार बांगला हॉस्पीटल हाथरस व 06 का पं0दीन दयाल उपाध्याय सं0 चिकित्सालय अलीगढ़ एवं 06 जे0एन0एम0सी0 अलीगढ़ में उपचार चल रहा है।

जमीन कब्जाने व झूठे मामले में फंसाने का आरोप

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-116 स्थित सोरखा गांव में ब्रह्मकुमारी संस्था के नाम पर आश्रम चलने वाले संचालकों पर रजिस्ट्री से अधिक जमीन कब्जा करने तथा बकाया रकम मांगने पर फर्जी मुकदमा करके फंसाने का आरोप लगाया है। नोएडा मीडिया क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में सुखप्रीत सिंह तथा विकास यादव ने आरोप लगाया कि कथित ब्रह्म कुमारी के संचालक श्रीकांत, ममता, रिचा गर्ग, भीमसेन, कृष्ण गुप्ता ने उनसे आश्रम बनाने के लिए एक बीघा जमीन का सौदा किया था तथा उसकी रजिस्ट्री भी कर दी गई। जिसके बदले आश्रम संचालकों ने उन्हें 85 लाख रुपए का भुगतान किया तथा बाकी रकम बाद में देने की बात कही। इस बीच आश्रम संचालकों ने उनसे कहा कि वह एक बीघा जमीन और लेना चाहते हैं तथा बाद में उसका भुगतान धीरे-धीरे करते रहेंगे। वह उनके झांसे में आ गए तथा उन्होंने एक बीघा और जमीन देने का आश्वासन दे दिया। इस बीच आश्रम संचालकों ने 1760 वर्ग गज में निर्माण भी शुरू कर दिया तथा धीरे-धीरे दो मंजिला भवन खड़ा कर दिया। इस बीच जब वह उनसे बकाया रकम के लिए मांग करते थे तो वें आजकल में भुगतान करने की बात कहकर टालते रहे। जब ज्यादा कड़ाई से उन्होंने भुगतान की बात की ही तो आश्रम संचालकों ने उन्हें पुलिस तथा प्रशासन का भय दिखाकर फर्जी मुकदमे फसाने की धमकी दी। बाद में बाध्य होकर उन्हें अदालत का सहारा लेना पड़ा तथा उन्होंने गौतमबुद्धनगर सिविल कोर्ट में आश्रम संचालकों के खिलाफ सिविल केस दायर किया। जिसमें अदालत में उन्हें स्टे दे दिया। अदालत का स्टे ऑर्डर होने के बावजूद भी संचालक लगातार निर्माण करते रहे तथा उन्होंने दूसरी मंजिल का निर्माण भी पूरा कर लिया। सुखप्रीत सिंह ने आरोप लगाया कि इस बीच आश्रम संचालकों की नियत खराब हो गई तथा उन्होंने वहां पर बने उनके 6 कमरों में से दो कमरों को तोड़कर उनके करीब 360 वर्ग गज जमीन पर भी कब्जा कर लिया। जब उन्हें इसकी जानकारी मिली तो हुए मौके पर विरोध करने पहुंचे तो आश्रम संचालकों ने पुलिस को गुमराह करके उन्हें पर ही फर्जी मुकदमे दायर करवा दिए।

पृष्ठ एक के शेष....

सूट-बूट वाला...

पहले उसके अनुयायियों में वंचित समाज के लोग मुख्य तौर पर जुड़े थे, लेकिन जब उसके साथ सभी जाति-वर्ग के लोग जुड़े तो उसने अपना नाम बदल लियाखुद को साकार विश्व हरि बताने वाले भोले बाबा ने अपनी पैतृक जमीन पर आश्रम की स्थापना की। इसके बाद घूम-घूमकर सत्संग शुरू कर दिया। बाबा का प्रभाव बढ़ते ही गांव-गांव और शहरों में समितियां बन गईं। इन समितियों के माध्यम से अपने-अपने क्षेत्र में सत्संग का आयोजन कराया जाने लगा। समिति में 50 से 60 सदस्यों के माध्यम से सत्संग का प्रस्ताव बाबा को दिया जाता है। इसके बाद बाबा स्वीकृति देते हैं। आयोजन पर होने वाले खर्च की धनराशि समिति अपने सदस्यों से जुटाती है। समय के साथ बाबा के अनुयायी उत्तर प्रदेश के बाहर उत्तराखंड, राजस्थान और मध्यप्रदेश तक बन गए। हर सत्संग के लिए आयोजन समिति अपने माध्यम से अनुयायियों तक आयोजन की जानकारी भेजकर आमंत्रित करती है।

एफआईआर में नारायण...

हाथरस मामले में गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज हुई है। सत्संग कार्यक्रम के मुख्य सेवादार देवप्रकाश मधुकर और अन्य आयोजकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 105, 110, 126(2), 223 और 238 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया कि आयोजकों ने अनुमति मांगते समय 'सत्संग' में आने वाले भक्तों की वास्तविक संख्या छिपाई। इसके साथ ही आयोजकों की ओर से ट्रैफिक मैनेजमेंट का कोई इंतजाम नहीं था। एफआईआर में कहा गया है कि भीड़ के दबाव के बावजूद, पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने हर संभव प्रयास किया और उपलब्ध संसाधनों से घायलों को अस्पतालों में भेजा और कहा कि आयोजकों और सेवादारों ने सहयोग नहीं किया। आयोजकों ने सबूत छिपाकर और श्रद्धालुओं की चप्पलें और अन्य सामान पास के खेतों में फसलों में फेंककर कार्यक्रम में आने वाले लोगों की वास्तविक संख्या को छिपाने की कोशिश की।

स्कूटी पर सवार...

खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। वहीं थाना सेक्टर-126 क्षेत्र के महामाया फ्लाईओवर पर अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। इस हादसे में अली गांव सरिता विहार दिल्ली में किराए पर रहने वाला सुभाष कुमार पुत्र रघुनाथ प्रसाद गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल ले जाते समय सुभाष ने रास्ते में दम तोड़ दिया। मृतक मूल रूप से पूर्वी चंपारण बिहार का रहने वाला था। इस संबंध में मृतक के चाचा ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ दुर्घटना कर मृत्यु करने का मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आरोपी चालकों की तलाश कर रही है।

घर में थी अकेली...

की पत्नी नीलम यादव ने अपने घर में फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। नीलम यादव को फंदे पर लटका देखकर विपिन यादव ने उसे नीचे उतारा और पड़ोस में रह रहे अपने ससुर रतन सिंह को इसकी सूचना दी। परिजन नीलम यादव को उपचार के लिए बिसरख स्थित सीएचसी लेकर पहुंचे। परीक्षण के उपरांत चिकित्सक ने नीलम यादव को मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि नीलम यादव की 10 वर्ष पूर्व विपिन यादव से शादी हुई थी किसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच वाद विवाद हो गया था। इस संबंध में परिजनों ने अभी कोई तहरीर नहीं दी है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

नोएडा से लाखों...

महालक्ष्मी गार्डन रोजा जलालपुर निवासी किशन कुमार ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह 30 जून की रात्रि को मिल्क लच्छी गांव में सब्जी लेने गया था। सब्जी खरीदने के बाद जब वह वापस लौटा तो उसकी बाइक चोरी हो चुकी थी। वहीं थाना सेक्टर-142 में मेरठ निवासी दीपक खटाना ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह सेक्टर-137 में रह रहे अपने दोस्त शिव भड़ाना के पास मिलने आया था। उसने अपनी स्प्लेंडर प्लस बाइक सोसायटी के बाहर खड़ी कर दी। अगले दिन जब वह सोसायटी के बाहर आया तो उसकी बाइक चोरी हो चुकी थी। पुलिस ने पीड़ितों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है और जांच पड़ताल कर रही है।

ढाबे पर रूके कार...

इस संबंध में पीड़ित के दोस्त मतीन खान ने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित द्वारा उपलब्ध कराए गए कार नंबर के आधार पर आरोपियों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

6 गांवों की भूमि...

अधिनियम, 2013' के अन्तर्गत 06 ग्रामों (रन्हेरा, कुरैब, करौली बांगर, दयानतपुर, वीरमपुर एवं मुढरह) की कुल 1181.2793 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया गया है। जिला प्रशासन द्वारा ग्राम दयानतपुर, वीरमपुर एवं मुढरह के कृषकों से अपर जिलाधिकारी (भू0अ0) एवं उपजिलाधिकारी जेवर द्वारा भूमि का कब्जा प्राप्त संबंधित विभागों को हस्तगत कर दिया गया है। इसके तहत ग्राम दयानतपुर की 145.0131, वीरमपुर की 54.6280 तथा मुढरह 37.3060 हेक्टेयर कुल 236.9471 हेक्टर भूमि सम्मिलित है। उन्होंने बताया कि अवशेष 03 ग्रामों में कब्जा प्राप्त किए जाने की कार्रवाई गतिमान है।

जमीन कब्जाने व झूठे मामले में फंसाने का आरोप

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-116 स्थित सोरखा गांव में ब्रह्मकुमारी संस्था के नाम पर आश्रम चलने वाले संचालकों पर रजिस्ट्री से अधिक जमीन कब्जा करने तथा बकाया रकम मांगने पर फर्जी मुकदमा करके फंसाने का आरोप लगाया है।

नोएडा मीडिया क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में सुखप्रीत सिंह तथा विकास यादव ने आरोप लगाया कि कथित ब्रह्म कुमारी के संचालक श्रीकांत, ममता, रिचा गर्ग, भीमसेन, कृष्ण गुप्ता ने उनसे आश्रम बनाने के लिए एक बीघा जमीन का सौदा किया था तथा उसकी रजिस्ट्री भी कर दी गई। जिसके बदले आश्रम संचालकों ने उन्हें 85 लाख रुपए का भुगतान किया तथा बाकी रकम बाद में देने की बात कही। इस बीच आश्रम संचालकों ने उनसे कहा कि वह एक बीघा जमीन और लेना चाहते हैं तथा बाद में उसका भुगतान धीरे-धीरे करते रहेंगे। वह उनके झांसे में आ गए तथा उन्होंने एक बीघा और जमीन देने का आश्वासन दे दिया। इस बीच आश्रम संचालकों ने 1760 वर्ग गज में निर्माण भी शुरू कर दिया तथा धीरे-धीरे दो मंजिला

भवन खड़ा कर दिया।

इस बीच जब वह उनसे बकाया रकम के लिए मांग करते थे तो वें आजकल में भुगतान करने की बात कहकर टालते रहे। जब ज्यादा कड़ाई से उन्होंने भुगतान की बात की ही तो आश्रम संचालकों ने उन्हें पुलिस तथा प्रशासन का भय दिखाकर फर्जी मुकदमे फसाने की धमकी दी। बाद में बाध्य होकर उन्हें अदालत का सहारा लेना पड़ा तथा उन्होंने गौतमबुद्धनगर सिविल कोर्ट में आश्रम संचालकों के खिलाफ सिविल केस दायर किया। जिसमें अदालत में उन्हें स्टे दे दिया।

अदालत का स्टे ऑर्डर होने के बावजूद भी संचालक लगातार निर्माण करते रहे तथा उन्होंने दूसरी मंजिल का निर्माण भी पूरा कर लिया। सुखप्रीत सिंह ने आरोप लगाया कि इस बीच आश्रम संचालकों की नियत खराब हो गई तथा उन्होंने वहां पर बने उनके 6 कमरों में से दो कमरों को तोड़कर उनके करीब 360 वर्ग गज जमीन पर भी कब्जा कर लिया। जब उन्हें इसकी जानकारी मिली तो हुए मौके पर विरोध करने पहुंचे तो आश्रम संचालकों ने पुलिस को गुमराह करके उन्हें पर ही फर्जी मुकदमे दायर करवा दिए।

आयुर्वेद की नामी दवाई के नाम पर बना रहा था नकली दवा

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-1 पुलिस ने नामी कंपनी के नाम पर नकली दवाई में प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने दो सगे भाइयों को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में नकली दवाई व अन्य सामान बरामद किया है।

थाना फेस-1 प्रभारी अमित कुमार भड़ाना ने बताया कि मूल रूप से मुरादाबाद निवासी अजीजुल हसन ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह आयुर्वेदिक दवा कंपनी नमन इंडिया का प्रोपराइटर है। उनकी कंपनी टाइगर किंग प्रोडक्ट का उत्पादन करती है, उनकी कंपनी ट्रेडमार्क एक्ट व उत्तर प्रदेश आयुर्वैदिक विभाग के तहत रजिस्टर्ड कंपनी है, उनकी कंपनी में पूर्व में काम करने वाला अनीस अहमद उनकी कंपनी में बनने वाले टाइगर किंग प्रोडक्ट आदि से मिलती-जुलती दवा को सेक्टर-10 में अवैध तरीके से संचालित कंपनी में बना रहा है।

सूचना के आधार पर पुलिस ने क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी ड्रग निरीक्षक चिकित्सा अधिकारी गौतमबुद्ध नगर को साथ लेकर सेक्टर-10 की कंपनी पर छापा मारा। इस दौरान यहां बड़ी संख्या में टाइगर किंग कंपनी के प्रोडक्ट से मिलते जुलते रैपर, होलोग्राम व बड़ी संख्या में दवाई व अन्य सामान बरामद हुआ। यहां से बड़ी संख्या में टाइगर किंग क्रीम, नाइट गोल्ड क्रीम, मैनपॉवर क्रीम, यूनिट टाइम एंड ऑयल, कंप्रेसर मशीन, इलेक्ट्रिक पैकेजिंग मशीन, सीलिंग मशीन पुलिस ने यहां से अनीस अहमद उसके भाई मोहम्मद शमी को गिरफ्तार कर लिया।

पकड़े गए आरोपी ने बताया कि वह टाइगर किंग प्रोडक्ट से मिलते-जुलते उत्पाद बनाकर उसे बाजार में बेच रहे थे। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी दवाई बनाने संबंधित कोई भी लाइसेंस नहीं दिखा पाए। दोनों आरोपियों के खिलाफ कॉपीराइट एक्ट के अलावा विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

आवश्यक सूचना

मैं, अमित भटनागर एवं श्रीमती पूजा भटनागर जन साधारण को यह सूचित करते हैं कि हमारे फ्लैट नम्बर-203, टॉवर सी-2, पंचशील ग्रीन्स-2, सेक्टर-16बी, ग्रेटर नोएडा (उप्र) पिन कोड-201306 का बिल्डर-बॉयर का मूल एग्रीमेंट कहीं खो गया है। यदि किसी को यह दस्तावेज मिले तो कृपया हमारे मोबाइल नम्बर पर सूचित करें।

-: मोबाइल नम्बर :-
9773589638, 8920519489

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक
रामपाल सिंह रघुवंशी
ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर,
ए-131 सेक्टर-83,
नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100,
4576372, 2518200
Mo.: 9811735566,
8750322340

E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

बजाज ब्रोकिंग ने भोपाल में शाखा खोली

भोपाल। बजाज ब्रोकिंग, जो बजाज फाइनेंशियल सिक्योरिटीज लिमिटेड के नाम से पंजीकृत है, ने आज भारत में अपनी 44वीं शाखा खोलने की घोषणा की, जिससे भोपाल, मध्य प्रदेश में इसकी शुरुआत हुई। इसके साथ ही, बजाज ब्रोकिंग ने टियर-2 और टियर-3 शहरों में अपनी उपस्थिति बढ़ाई और भोपाल में बजाज ब्रांड को लाया, जो पारदर्शिता, ईमानदारी और उच्चतम व्यावसायिक नैतिकता के लिए जाना जाता है।

यह शाखा अंबिका ऑर्चिड, पहली मंजिल, जेड-19, चित्तोड़ कॉम्प्लेक्स के सामने, ज़ोन - आई, एम पी नगर, भोपाल में स्थित है, जिससे बजाज ब्रोकिंग को शहर और उसके आस-पास के निवेशकों और ग्राहकों को सेवाएं देने में मदद मिलेगी। बजाज ब्रोकिंग एक ऑल-इन-वन डिजिटल प्लेटफॉर्म है जो रिटेल और हाई-नेट-वर्थ व्यक्तिगत ग्राहकों के लिए डिमैट, ब्रोकिंग और मार्जिन ट्रेडिंग फसिलिटी को जोड़ता है। बजाज ब्रोकिंग के मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री मनीष जैन ने कहा, हम एक सर्वव्यापी कंपनी के रूप में खड़े हैं। टियर-2 और टियर-3 बाजार पर्याप्त अवसर प्रदान करते हैं, जो हमें इन क्षेत्रों में प्रभावी ढंग से सेवा देने के लिए रणनीतिक रूप से संरेखित करते हैं। यह भौगोलिक विस्तार बजाज ब्रोकिंग की व्यापक डिजिटल पहुंच के साथ तालमेल बिठाता है और ग्राहक-केंद्रित सिद्धांतों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमारे नए कार्यालय की स्थापना हमें हमारे ग्राहकों के साथ घनिष्ठ संबंध बनाने में सक्षम बनाती है, शहर और उससे आगे के क्षेत्रों में स्थायी संबंधों को बढ़ावा देती है। हम तकनीक और व्यक्तिगत बातचीत के जरिए हमारे ग्राहकों के ट्रेडिंग अनुभव को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। भोपाल कार्यालय में इक्विटी ट्रेडिंग, डेरिवेटिव्स ट्रेडिंग, मार्जिन ट्रेडिंग फैसिलिटी , म्यूचुअल फंड्स, आईपीओ निवेश और अन्य सेवाएं शामिल हैं। ग्राहक शोध जानकारी और उनके वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार बनाए गए व्यक्तिगत निवेश विकल्पों का लाभ उठा सकते हैं।

मयंक कैटलफूड लिमिटेड दीर्घकालिक विकास पथ पर है

राजकोट, एजेंसी। मयंक कैटल फूड लिमिटेड ने अपनी सहायक कंपनी नैनोजन एग्रोकेम प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से पचास नव नियुक्त फ्रेंचाइजी के माध्यम से अपने विपणन कार्यों के विस्तार की घोषणा की है। नैनोजेन एग्रोकेम कृषि रसायन और उर्वरक के कारोबार में है। इस रणनीतिक कदम से बाजार में अपनी उपस्थिति बढ़ने और राजस्व वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान देने की उम्मीद है। इन फ्रेंचाइजी की बिक्री कंपनी के पदचिह्न का विस्तार करने और देश के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी ब्रांड ताकत का लाभ उठाने के लिए दीर्घकालिक विकास के साथ जुड़ी हुई है। इन फ्रेंचाइजी के माध्यम से नैनोजेन के विभिन्न व्यावसायिक संचालन किए जाएंगे। फ्रेंचाइजी द्वारा विभिन्न व्यावसायिक गतिविधियाँ की जाएंगी। नैनोजेन एग्रोकेम प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक और मयंक कैटल फूड लिमिटेड के पूर्णकालिक निदेशक श्री अजय पोपटलाल वाछानी ने कंपनी में विश्वास के लिए फ्रेंचाइजी धारकों को हार्दिक धन्यवाद व्यक्त किया। मयंक कैटल फूड लिमिटेड एक विस्तृत श्रृंखला वाली अग्रणी तेल कंपनी है, मयंक कैटल फूड लिमिटेड कैटल फूड में अग्रणी है, जो व्यापक ग्राहक और डीलर नेटवर्क को कवर करते हुए समग्र कैटल फूड सेगमेंट में महत्वपूर्ण बाजार हिस्सेदारी रखता है।

घर-घर चाकू-छुरी बेच कमाती थीं रोजाना 20-40 रुपये, आज चलाती हैं बीएमडब्ल्यू

करोड़ों की कंपनी की मालकिन!

नई दिल्ली, एजेंसी। चीनू काला आज सफल बिजनेसवुमन हैं। उनकी कहानी संघर्ष और हौसले का जीता-जागता उदाहरण है। सिर्फ 15 साल की उम्र में मुश्किलों का सामना करते हुए उन्होंने 300 रुपये और कुछ कपड़ों के साथ अपना घर छोड़ दिया था। कई रात चीनू स्टेशन पर सोई। लेकिन, कभी अपने सपनों को मरने नहीं दिया। जो चीनू कभी घर-घर चाकू-छुरी बेच रोज के 20-40 रुपये कमाती थीं, आज वह रुबंस एक्सेसरीज की मालकिन हैं। यह कंपनी करोड़ों की है। आइए, यहां चीनू की सफलता के बारे में जानते हैं।

घर-घर चाकू-छुरी बेचीं- चीनू की यात्रा तब शुरू हुई जब उन्होंने सिर्फ 15 साल की उम्र में कक्षा 10 की पढ़ाई के दौरान घर छोड़ दिया। सिर्फ 300 रुपये और कपड़ों के एक बैग के साथ निकलीं चीनू कई बार स्टेशन पर सो जाया करती थीं। पारिवारिक समस्याओं के बावजूद उन्होंने अपना रास्ता बनाने की ठान रखी थी। चीनू ने कमाई के लिए छोटी शुरुआत की। घर-घर जाकर चाकू-छुरी और कोस्टर बेचे। इससे उनकी रोज की 20-40 रुपये की कमाई हो जाती थी। लेकिन, हार नहीं मानी। उनकी मेहनत रंग लाई। 2014 में उन्होंने बेंगलुरु के एक छोटे से मॉल में रुबंस एक्सेसरीज की शुरुआत की।

आज करोड़ों की बन चुकी है रुबंस

चीनू काला की कड़ी मेहनत और लगन के कारण रुबंस एक्सेसरीज ने सफलता की नई ऊंचाइयां छू लीं। आज रुबंस 40 करोड़ रुपये का कारोबार करती है। यह 10 लाख से ज्यादा एक्सेसरीज बेच चुकी है।

चलाती हैं बीएमडब्ल्यू 5 सीरीज कार

सफलता के बावजूद चीनू आज भी जमीन से जुड़ी हुई हैं। वह अपने पति और बेटी के साथ बेंगलुरु में एक आलीशान घर में रहती हैं। बीएमडब्ल्यू 5 सीरीज कार चलाने के बावजूद वह आज भी 15-15 घंटे काम करती हैं। अपनी कंपनी रुबंस को और आगे ले जाने के लिए समर्पित हैं।

टारगेट हैं ऊंचे

चीनू का सपना है कि साल के अंत तक रुबंस भारतीय फैशन ज्वेलरी मार्केट में 25 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल कर ले। उनका लक्ष्य महत्वाकांक्षी है, लेकिन उनकी कहानी साबित करती है कि दृढ़ संकल्प और अटूट हौसले से कुछ भी हासिल किया जा सकता है।

शार्क टैंक की जज को आईपीओ से तगड़ा फायदा, 3 में खरीदे शेयर को 1008 में बेचेंगी

नई दिल्ली, एजेंसी। इस हफ्ते एमक्योर फार्मास्युटिकल्स का आईपीओ खुलने जा रहा है। शार्क टैंक इंडिया में जज और कंपनी की सीईओ नमिता थापर आईपीओ से तगड़ी कमाई करने जा रही हैं। इस आईपीओ के जरिए उन्हें करीब 127 करोड़ रुपये मिलने जा रहे हैं। बता दें, नमिता थापर प्रमोटर ग्रुप की सदस्य हैं।

इकनामिक्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार नमिता थापर ने 3.44 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से कंपनी के लाखों शेयर खरीदे थे। मार्च 2024 तक कंपनी में उनकी कुल हिस्सेदारी 3.5 प्रतिशत थी। उनके पास कुल 63.39 लाख शेयर हैं। तब उन्होंने 2.18 करोड़ रुपये का निवेश किया था। अब एमक्योर फार्मास्युटिकल्स आईपीओ के जरिए प्रमोटर ग्रुप में शामिल नमिता थापर 12.68 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल के तहत बेचने जा रही हैं। जिसकी वजह से उन्हें 293 गुना फायदा हो सकता है।

क्या है प्राइस बैंड- एमक्योर फार्मास्युटिकल्स आईपीओ 3 जुलाई से 5 जुलाई 2024 तक खुला रहेगा। कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले शेयरों के लिए 960 रुपये से 1008 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी आईपीओ के जरिए 1952.03 करोड़ रुपये जुटाने का प्रयास करेगी। बता दें, ऑफर फॉल सेल के तहत कंपनी 1.14 करोड़ शेयर और फ्रेश इश्यू के जरिए 79 लाख शेयर जारी करेगी। ग्रे मार्केट में एमक्योर फार्मास्युटिकल्स आईपीओ के प्रदर्शन की बात करें तो यह आज 285 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। अगर यही हाल लिस्टिंग तक रहा तो कंपनी शेयर बाजार में 28 प्रतिशत के प्रीमियम पर डेब्यू कर सकती है। बता दें, जीएमपी में हर दिन बदलाव देखने को मिलता रहता है।

कंपनी की वित्तीय स्थिति कितनी बेहतर- पिछले वित्त वर्ष के दौरान कंपनी की वित्तीय स्थिति बेहतर थी। फाइनेंशियल ईयर 2024 के दौरान कंपनी का कुल रेवन्यू 11 प्रतिशत के इजाफे के साथ 6658 करोड़ रुपये रहा था। हालांकि, प्रॉफिट में गिरावट देखने को मिली है। सालाना आधार पर कंपनी का प्रॉफिट वित्तीय साल 2024 में 527 करोड़ रुपये रहा है।

मध्य प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र का केन्द्र है: केसीसीआई

नईदिल्ली, एजेंसी। आज नॉलेज चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (केसीसीआई) ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से भोपाल में 'खाद्य प्रसंस्करण और कृषि व्यवसाय - एडवांटेज मध्य प्रदेश' का आयोजन किया। यह विश्व खाद्य भारत 2024 को बढ़ावा देने के लिए मध्य प्रदेश में पहला क्षेत्रीय उद्योग सम्मेलन भी था, जिसका आयोजन खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय द्वारा 19 से 22 सितंबर तक प्रगति मैदान, नई दिल्ली में किया जाएगा।

खाद्य प्रसंस्करण मध्य प्रदेश सरकार के प्रमुख क्षेत्रों में से एक है, जिसके तहत इस क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए एक अलग नीति और विशेष योजनाएं बनाई गई हैं। खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों का विकास और कटाई के बाद प्रबंधन मध्य प्रदेश सरकार के लिए प्राथमिकता वाला क्षेत्र है और मध्य प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के विकास के लिए केंद्र की पीएमएफएमई और अन्य योजनाओं के तहत बहुत सारे प्रोत्साहन दिए जा रहे हैं।

इस सम्मेलन का उद्घाटन माननीय मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह, बागवानी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, मध्य प्रदेश सरकार के साथ-साथ श्री मिन्हाज आलम, आईएएस अतिरिक्त सचिव, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार और श्री शशि भूषण सिंह, आईएएस, अतिरिक्त निदेशक, बागवानी एवं खाद्य प्रसंस्करण, मध्य प्रदेश सरकार ने किया। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित सभी उद्योगों को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के आगामी प्रमुख कार्यक्रम वर्ल्ड फूड इंडिया 2024 में भाग लेने और वैश्विक स्तर पर उपलब्ध अवसरों का पता लगाने के लिए आमंत्रित किया। सम्मेलन में मध्य प्रदेश की 200 कंपनियों ने भाग लिया।

हीरो मोटोकॉर्प ने कलेक्टर्स मोटरसाइकिल 'द सेंटेनियल' को लॉन्च किया

मुंबई, एजेंसी। दुनिया की सबसे बड़ी मोटरसाइकिल और स्कूटर निर्माता कंपनी, हीरो मोटोकॉर्प ने अपने दूरदर्शी फाउंडर चेयरमैन डॉ. बृजमोहन लाल मुंजाल की याद में कलेक्टर्स एडिशन मोटरसाइकिल द सेंटेनियल को लॉन्च किया है।

- **100 चुने गए लोगों के लिए बड़ी ही सावधानी से तैयार की गई मोटरसाइकिल, केवल आमंत्रण पर उपलब्ध**

द सेंटेनियल का कॉन्सेप्ट, डिजाइन और डेवलपमेंट भारत में हीरो सेंटर फॉर इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी (सीआईटी) और जर्मनी में हीरो टेक सेंटर (टीसीजी) के वैश्विक विशेषज्ञों द्वारा किया गया है। यह बेहतरीन प्रॉडक्ट इनोवेशन और उत्कृष्टता के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। बड़ी ही सावधानी से हाथों से तैयार की गई केवल 100 यूनिट्स के साथ यह प्रीमियम परफॉर्मेंस और शिल्प कौशल का प्रतीक है।

डॉ. बृजमोहन लाल मुंजाल की 101वीं जयंती के उपलक्ष्य में, कंपनी इन बाइक्स को अपने कर्मचारियों, सहयोगियों, व्यापारिक भागीदारों और हितधारकों को नीलाम करेगी और इससे जुटाई गई पूंजी का इस्तेमाल समाज की भलाई के लिए किया जाएगा, जो संस्थापक के समुदाय की भलाई करने के सिद्धांत को दर्शाता है। द सेंटेनियल की डिलीवरी सितंबर 2024 में शुरू होगी।

डॉ. पवन मुंजाल एक्जीक्यूटिव चेयरमैन हीरो मोटोकॉर्प ने कहा कि मेरे पिता और हीरो मोटोकॉर्प के फाउंडर चेयरमैन डॉ. बृजमोहन लाल मुंजाल ने दुनिया भर में अरबों लोगों को प्रेरित किया। उनका विजन भारतीय वाहन उद्योग और भारतीय उद्योग में क्रांतिकारी बदलाव लाने में सफल रहा और वे अपने पीछे सरलता, इनोवेशन, साहस और ईमानदारी की विरासत छोड़ गए। उनके लिए, व्यापार लाभ तक सीमित नहीं था, बल्कि यह लोगों और समुदाय दोनों के बारे में था।

उनकी 101वीं जयंती के पूरे होने के जश्न के बीच मुझे 'द सेंटेनियल' को लॉन्च करते हुए बेहद खुशी और गर्व हो रहा है - यह मोटरसाइकिल उनकी विरासत के सम्मान में तैयार किया गया एक चमत्कार है। 'द सेंटेनियल' केवल एक ऐतिहासिक मोटरसाइकिल नहीं है, बल्कि स्टील और कार्बन फाइबर से तैयार किया गया एक संस्मरण है। इस शानदार मशीन का डिजाइन, इंजीनियरिंग और तकनीक सभी हमें हमेशा प्रेरित करने वाले फाउंडर की अमिट छाप को दर्शाते हैं। हीरो मोटोकॉर्प अपने ग्राहकों को माई हीरो, माई स्टोरी अभियान में भाग लेने के लिए भी आमंत्रित करेगा, जहां वे ब्रांड के साथ अपने जुड़ाव और यात्रा को प्रदर्शित करने वाली कहानियों को साझा कर सकते हैं। विविध पृष्ठभूमि के विशेषज्ञों वाला प्रतिष्ठित पैनल प्रस्तुतियों का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करेगा, और शीर्ष एंट्रीज को प्रतिष्ठित द सेंटेनियल से पुरस्कृत किया जाएगा।

न्यूज़18 इंडिया भोपाल से डायमंड स्टेट्स समिट संस्करण की करेगा शुरुआत

भोपाल। देश का नंबर एक हिंदी समाचार चैनल न्यूज 18 इंडिया 2 जुलाई (मंगलवार) को मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में डायमंड स्टेट्स समिट के उद्घाटन श्रृंखला का आयोजन करने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह आयोजन समिट की श्रृंखला का पहला आयोजन और शुरुआत भी है, जो भारत के प्रमुख राज्यों में आयोजित की जाएगी। इस समिट में क्षेत्रीय उपलब्धियों पर प्रकाश डाला जाएगा तथा देश के विकास में प्रत्येक राज्य के योगदान पर बातचीत को बढ़ावा दिया जाएगा।

डायमंड स्टेट्स समिट के आगामी संस्करण का उद्देश्य मध्य प्रदेश की प्रगति और क्षमता पर गहन चर्चा और जानकारी के लिए एक मंच प्रदान करना है। इस कार्यक्रम में राज्य के प्रतिष्ठित नेता और प्रभावशाली व्यक्ति सार्थक चर्चा के लिए एकत्रित होंगे।

समिट में भाग लेने वाले प्रतिष्ठित वक्ताओं में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी; भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री वी.डी. शर्मा; नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय; श्रम, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल; लोक निर्माण विभाग मंत्री श्री राकेश सिंह; सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास सारंग; पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री श्री कृष्णा गौर; महिला एवं बाल विकास मंत्री श्री निर्मला भूरिया; परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह तथा अभिनेता अन्नू कपूर हैं।

जून में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री 14 प्रतिशत घटी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बिक्री में मई के मुकाबले जून के महीने में 14 प्रतिशत की तीव्र गिरावट देखी गई। विशेषज्ञों का कहना है कि सरकारी नीतियों में बदलाव और हाइब्रिड वाहनों के प्रति लोगों की बढ़ती रुचि जैसे कारकों की वजह से ऐसा हो सकता है। अलबत्ता जून 2024 की यह बिक्री पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 20 प्रतिशत से अधिक रही। तब सब्सिडी में सरकारी बदलावों के कारण बिक्री में गिरावट आई थी। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के 'वाहन' के आंकड़ों के अनुसार जून 2024 में ईवी की बिक्री मई में की गई 1,23,704 ईवी बिक्री की तुलना में 14 प्रतिशत से भी ज्यादा घटकर 1,06,081 रह गई। यह इस कैलेंडर वर्ष में बिक्री की सबसे कम संख्या है। इस साल अब तक करीब 8,39,545 इलेक्ट्रिक वाहन बेचे गए हैं जो कुल बिके 1,25,41,684 वाहनों का करीब 6.69 प्रतिशत है।

द कोका-कोला कंपनी की ऑनेस्ट टी ने लॉन्च किया फाइंड यूवर गुड कैम्पेन

ऑनेस्ट टी एक ताजगीपूर्ण रेडी टु ड्रिंक चाय है और इसकी ऑर्गेनिक टी को जाने-माने मकाइबारी टी स्टेट से मंगाया जाता है

मुंबई। ऑनेस्ट टी, ऑर्गेनिक ग्रीन टी से बनाया गया एक रेडी टु ड्रिंक बेवरेज है। इसने मशहूर लेखिका, स्तंभकार एवं वेलनेस की शौकीन ट्विंकल खन्ना के साथ मिलकर अपना नया कैम्पेन सफाइंड यूवर गुड शुरू किया है। नई फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे ट्विंकल खन्ना को रोजमर्रा की कशमकश के बीच होनेस्ट टी पीने से राहत मिलती है। इसे ऑर्गेनिक ग्रीन टी से बनाया गया है, जो प्रसिद्ध मकाइबारी टी स्टेट से मंगाई गई है।

सामाजिक अपेक्षाओं से भरी इस दुनिया में ऑनेस्ट टी का कैम्पेन लोगों को राहत पाने का अपना खुद का तरीका तय करने के लिये प्रेरित करता है। ब्राण्ड इस तलाश में लोगों का एक सच्चा साथी बनकर उभरा है और इसने दो बेहतरीन फ्लेवर्स - लेमन-तुलसी और मैंगो की पेशकश की है।

कैम्पेन को शुरू करने के लिये, ऑनेस्ट टी द्वारा सोशल फिल्मों और डिजिटल एक्टिवेशंस की शुरूआत की जाएगी। यह विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर उपभोक्ताओं से जुड़ेगा। कैम्पेन फिल्म की परिकल्पना डब्ल्यूपीपी ओपन एक्स ने की है। इस फिल्म में हमारे लिये एक प्रासंगिक पल आता है, जब ट्विंकल अपने रोजमर्रा के कामों में व्यस्त रहती हैं। जब वह आराम करने के लिये बैठती हैं, तब ऑनेस्ट टी का एक घूंट पीकर कहती हैं ''यह आपको ही तय करना है कि आपके लिये अच्छा क्या है''।

ऑनेस्ट टी के साथ जुड़ने के बारे में ट्विंकल खन्ना ने कहा, ''मैं सफाइंड यूवर गुड कैम्पेन का हिस्सा बनकर उत्साहित हूँ, क्योंकि यह एक अच्छी और संपूर्ण जिन्दगी के लिये मेरे मंत्र से मेल खाता है। रोजाना की जिन्दगी में खुशी और संतुलन लाने के महत्व से प्रेरित होकर, ऑनेस्ट टी का कैम्पेन आधुनिक महिलाओं की सेहत में सकारात्मक बदलाव लाने की कोशिश करेगा।'' नये कैम्पेन के लॉन्च पर अपनी बात रखते हुए, द कोका-कोला कंपनी, इंडिया एण्ड साउथ-वेस्ट एशिया ऑपरेटिंग यूनिट में मार्केटिंग की सीनियर डायरेक्टर रुचिरा भट्टाचार्य ने कहा, ''ऑनेस्ट टी को फाइंड यूवर गुड कैम्पेन लॉन्च करके गर्व महसूस हो रहा है, क्योंकि यह रोजाना की नीरसता के बीच शांति और राहत के छोटे-छोटे पलों पर जोर देता है।

कलर्स 'मिश्री' को जल्द करेगा लॉन्च

मुंबई, एजेंसी। रिश्ते वक्त से नहीं दिल से बनते हैं।' वो पुराने दिन कितने अच्छे थे जब रिश्तों को दिल से निभाया जाता था और खून के रिश्तों से परे खुशी मिलती थी। आज के दौर में जहां रिश्ते कमज़ोर हो गए हैं, कलर्स 'मिश्री' को लॉन्च करने के लिए तैयार है, ऐसी कहानी जो 'रिश्तों की मिठास' को वापस लाती है। जब हालात खलनायक की भूमिका निभाते हैं, तब मिश्री, वाणी और राघव की ज़िंदगी आपस में जुड़ जाती है क्योंकि वे एक-दूसरे का चुना गया परिवार और भावनात्मक सहारा बन जाते हैं। अपने सपनों से प्रेरित होकर, वे ज़िंदगी की मुश्किलों का सामना करते हैं, क्योंकि उन्होंने सबसे बड़ा जैकपॉट जीता है- एक-दूसरे का साथ। अक्सर स्वार्थ से भरी दुनिया में, एक-दूसरे का निस्वार्थ सम्मान करना बिना किसी संदेह के साबित करता है कि रिश्ते हालातों से बड़े होते हैं। मथुरा के पास गंगापुर में रहने वाली, मिश्री को ज़िंदा तालिस्मान माना जाता है, जो जिस भी अवसर पर जाती है, वह सौभाग्यशाली हो जाता है। हालांकि, उसकी खुद की ज़िंदगी चुनौतियों से भरी हुई है क्योंकि वह अपनी 'किस्मत की लकीरों' से लड़ती है। मिश्री की षडयंत्रकारी आंटी उसे उसके अधेड़ उम्र के अंकल से शादी करने के लिए मजबूर करती है।

रियलमी ने अपनी चैंपियन सीरीज़ में सबसे नया स्मार्टफोन रियलमी सी63 पेश किया

मुंबई, एजेंसी। भारतीय युवाओं के सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन ब्रांड रियलमी ने आज अपनी चैंपियन सीरीज़ में सबसे नया स्मार्टफोन रियलमी सी63 पेश किया। रियलमी सी63 एक बजट-फ्रेंडली स्मार्टफोन है जो अपने सेगमेंट में एकमात्र वेगन लैदर डिज़ाईन के साथ स्टाईल और ड्यूरेबिलिटी प्रदान करता है। रियलमी सी63 में 45वॉट का फास्टचार्जर दिया गया है जो इसे बहुत तेजी से चार्ज कर देता है साथ ही इसकी 5,000एमएएच की बैटरी भारी उपयोग के बाद भी पूरे दिन पर्याप्त पॉवर प्रदान करती है रियलमी सी63 में फ्लैगशिप लेवल के एआई अनुभव और इनोवेटिव फीचर्स जैसे एयर गेस्चर, रेनवॉटर स्मार्ट टच और इसका अत्यधिक लोकप्रिय मिनी कैप्सूल 2.0 फीचर दिए गए हैं।

इस लॉन्च के बारे में रियलमी के प्रवक्ता ने कहा हम अपनी चौंपियन सीरीज़ में नया स्मार्टफोन, रियलमी सी63 पेश करके उत्साहित हैं रियलमी में हम ऐसी इनोवेटिव टेक्नोलॉजी प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो हमारे युवा ग्राहकों की जरूरतों और अपेक्षाओं को पूरा कर सके। रियलमी सी63 इसी प्रतिबद्धता का प्रमाण है और किफायती मूल्य में अनेक आधुनिक फीचर्स प्रदान करता है हमारा मानना है कि रियलमी सी63 अपने अद्वितीय स्टाईल, ड्यूरेबिलिटी और अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी के साथ बजट स्मार्टफोन के सेगमेंट में नए मानक स्थापित कर देगा।''

रियलमी सी63 के मुख्य आकर्षण, अपने सेगमेंट का एकमात्र फ्लैगशिप वेगन लैदर डिज़ाईनः रियलमी सी63 को एक प्रीमियम वेगन लैदर बैक कवर के साथ डिज़ाईन किया गया है, जो आम तौर से फ्लैगशिप स्तर के स्मार्टफोन में देखने को मिलता है। इस डिज़ाईन में अपने सेगमेंट के अन्य उत्पादों के मुकाबले ज्यादा बेहतर टैक्सचर है, जो दागों के लिए रजिस्टैंट होने के साथ ज्यादा टिकाऊ भी है। प्रीमियम वैगन लेदर टैक्सचर के लिए रियलमी सी63 में खुरदुरा लीची पैटर्न लिया गया है, जो वेगन लैदर बैक शेल को कवर करके प्रीमियम टैक्सचर प्रदान करता है, और ग्रिप बढ़ाकर विज़्युअल और स्पर्श का अनुभव बेहतर बनाता है। इसके अलावा रियलमी सी63 इस मूल्य वर्ग में एकमात्र मैटल लेंस डेको के साथ आता है, जो अपनी मजबूत और बेहतर टैक्सचर के कारण महंगा है।

खास खबर

टी20 क्रिकेट विश्व कप के फाइनल मैच को लाइव स्ट्रीमिंग पर रिकॉर्ड 5.3 करोड़ दर्शकों ने देखा

मुंबई, एजेंसी। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच टी20 क्रिकेट विश्व कप के फाइनल मैच ने व्यूअरशिप के मामले में रिकॉर्ड बनाया है। कांटे की टक्कर का यह मैच बारबाडोस में खेला गया था। भारत ने मैच को जीतकर 11 साल के आईसीसी ट्रॉफी के सूखे को समाप्त कर दिया। इस मैच को रिकॉर्ड 5.3 करोड़ लोगों ने देखा। ओटीटी पर यह इस प्रतियोगिता के दौरान दर्ज की गई सबसे ज्यादा व्यूअरशिप है। यह मैच जबरदस्त रोमांच के चलते किसी भी टीम की ओर जा सकता था। अततः भारत ने इस मैच को 7 रनों से जीतकर रोहित शर्मा की कप्तानी में आईसीसी ट्रॉफी को उठाने में कामयाबी हासिल की।

व्यूअरशिप के मामले में नए कीर्तिमान पर बात करते हुए डिज्नी प्लस हॉटस्टार के हेड साजिद शिवनंदन ने कहा, आईसीसी पुरुष टी20 क्रिकेट विश्व कप 2024 में शानदार प्रदर्शन के लिए दोनों टीमों को बधाई। भारतीय टीम ने अविश्वसनीय कौशल और लगन से लाखों लोगों को खुशी और गर्व की अनुभूति कराई है। हमें इस बात पर गर्व है कि हमने इन पलों को उन तक पहुंचाया। भारत ने इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए 176 रन बनाए थे। प्रतियोगिता में शानदार फॉर्म में चल रहे भारतीय कप्तान रोहित शर्मा इस मैच में मात्र 9 रन बनाकर ही आउट हो गए। दूसरी ओर विराट कोहली ने इस मुकाबले में अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 76 रनों की मैच जिताने वाली पारी खेली। विराट को उनके शानदार योगदान के चलते प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड दिया गया था।

रोहित शर्मा के WOOOOO सेलिब्रेशन पर आया WWE रैसलर रिक फ्लेयर का कमेंट

नईदिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूडब्ल्यूई हॉल ऑफ फेमर और कुश्ती के दिग्गज रिक फ्लेयर ने आखिरकार टी20 विश्व कप जीतने के बाद रोहित शर्मा की उस वीडियो पर प्रतिक्रिया दी है जिसमें भारतीय कप्तान ने कुश्ती दिग्गज का स्टाइल अपनाया था। रोहित ने भारत को ट्रॉफी दिलाने में खूब मेहनत की और बिना कोई मुकाबला गंवाए ट्रॉफी जीती।

ट्रॉफी प्रस्तुति समारोह के दौरान रोहित ने जश्न मनाने के लिए विशेष वू सेलिब्रेशन का तरीका अपनाया था जोकि कुश्ती दिग्गज रिक फ्लेयर के रिंग के अंदर आने का स्टाइल था। फ्लेयर ने अब इस पर प्रतिक्रिया दी है और कुश्ती के दिग्गज ने कहा कि भारत के कप्तान ने उनकी प्लेबुक से एक पेज निकाल लिया है। बता दें कि टी20 विश्व कप जीत के बाद रोहित ने टी20ई से रिटायरमेंट की घोषणा कर दी थी। रोहित ने कहा कि वह मेरा आखिरी गेम भी था। ईमानदारी से कहूं तो, जब से मैंने इस प्रारूप को खेलना शुरू किया है तब से मैंने इसका आनंद लिया है।

इस प्रारूप को अलविदा कहने का इससे बेहतर समय नहीं हो सकता। मुझे इसका हर पल पसंद आया है।

विंबलडन: मेदवेदेव भी अगले दौर में पहुंचने में सफल रहे

कार्लोस अल्काराज ने जीत के साथ की शुरुआत

लंदन, एजेंसी। स्पेन के गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने वर्ष के तीसरे ग्रैंडस्लैम विंबलडन की शानदार शुरुआत की। अल्काराज ने पहले दौर में क्वालिफायर मार्क लाजल को सीधे सेटों में 7-6 (3), 7-5, 6-2 से हराया और अगले दौर में प्रवेश करने में सफल रहे।

विश्व रैंकिंग में 269 वें स्थान पर काबिज खिलाड़ी लाजल ने हालांकि शुरुआती दो सेट में स्पेन के खिलाड़ी को कड़ी टक्कर दी।

तीन सप्ताह पहले फ्रेंच ओपन में अपनी तीसरी बड़ी चैंपियनशिप जीतने वाले अल्काराज ने पिछले साल विंबलडन फाइनल में नोवाक जोकोविच को हराया था। पुरुष सिंगल्स वर्ग के अन्य मैचों में पांचवीं वरीयता प्राप्त डेनियल मेदवेदेव ने अलेक्जेंडर कोवासिक को 6-3, 6-4, 6-2 से और आठवीं वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड ने एलेक्स बोल्ट को 7-6 (2), 6-4, 6-4 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। गैर वरीयता प्राप्त कनाडा के डेनिस शापोवालोव ने 19वें नंबर के खिलाड़ी निकोलस जैरी को 6-1, 7-5, 6-4 से हराया।

सक्कारी की आसान जीत

मारिया सक्कारी ने महिला सिंगल्स के अपने शुरुआती मुकाबले में मेकार्टनी केसलर 6-3, 6-1 से आसानी से शिकस्त दी। पिछले महीने फ्रेंच ओपन की उपविजेता रहीं सातवीं वरीयता प्राप्त जैस्मिन पाओलिनी अपने चौथे प्रयास में पहली बार विंबलडन के पहले दौर की बाधा को पार करने में सफल रहीं। इटली की इस खिलाड़ी ने सारा सोरिब्स टोमों को 7-5, 6-3 से हराया।

सबालेंका विंबलडन से हटीं

तीसरी वरीयता प्राप्त अरिना सबालेंका कंधे में चोट के कारण सोमवार को विंबलडन से हट गईं।

दो बार की ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन को ग्रास-कोर्ट ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के शुरुआती दिन पहले दौर में अमेरिका की एमिना बेक्टास से खेलना था।

सबालेंका ने एक सप्ताह पहले कंधे में दर्द का हवाला देते हुए बर्लिन लेडीज ओपन के क्वार्टर फाइनल के पहले सेट से हटने का फैसला किया था। उन्होंने कहा था कि उनकी मांसपेशियों में चोट है और यह उनके लिए बहुत निराशाजनक है।

विराट कोहली ने दिया पीएम मोदी को धन्यवाद

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद कहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कोहली की तारीफ की थी, जिसके बाद विराट ने प्रतिक्रिया के तौर पर उनका शुक्रिया अदा किया है। विराट कोहली ने हाल ही में टी20 विश्व कप फाइनल जीतने के बाद इस प्रारूप से अपने संन्यास की घोषणा कर दी थी। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा था- प्रिय विराट कोहली, आपसे बात करके अच्छा लगा। आपने फाइनल मैच में अपनी पारी की तरह भारतीय बल्लेबाजी को भी शानदार ढंग से एंकर किया है। ऐसा आपने क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में किया है।

टी20 क्रिकेट आपको मिस करेगा, लेकिन मुझे भरोसा है कि आप खिलाड़ियों की नई पीढ़ी को प्रेरणा देते रहेंगे। इसकी प्रतिक्रिया में विराट कोहली ने पीएम का धन्यवाद करते हुए लिखा कि प्रिय नरेंद्र मोदी सर, आपके शब्दों व सपोर्ट के लिए आपका बहुत धन्यवाद और आपने हमेशा उत्साह बढ़ाया है।

इस टीम का हिस्सा होना गौरव की बात रही है जिसने विश्व कप ट्रॉफी को घर लाने का काम किया है। इस वजह से देश को जो खुशी मिली है, उसके चलते हम बहुत प्रभावित और अभिभूत हैं। टी20 विश्व कप फाइनल मुकाबले में विराट कोहली ने ओपनिंग में आकर 59 गेंदों पर 76 रनों की पारी खेली थी। भारत ने इस पारी के दम पर 176 रन बनाए थे, जिसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 169 रन ही बना सकी थी। विराट कोहली के अलावा कप्तान रोहित शर्मा और ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा भी टी20 अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट से अपने संन्यास की घोषणा कर चुके हैं।

चेस

भारत में नहीं, इस देश में होगा विश्व चैंपियनशिप का मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश का विश्व शतरंज चैंपियनशिप 2024 में विश्व चैंपियन डिंग लिरेन से सामना अपने घर में नहीं हो सकेगा। सिंगापुर ने इसकी मेजबानी के अधिकार जीत लिए हैं जिससे भारत की इसका आयोजन करने की उम्मीदों को झटका लगा है। फिडे ने सोमवार को विश्व चैंपियनशिप मुकाबले की मेजबानी सिंगापुर को सौंपने की घोषणा की। इसके मायने हैं कि

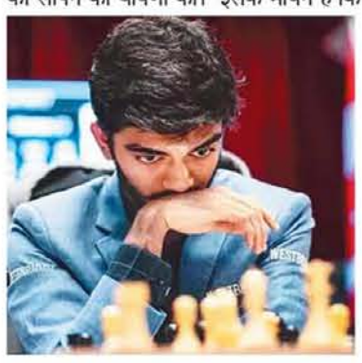

गुकेश दिल्ली या चेन्नई में यह मुकाबला नहीं खेल सकेंगे चूंकि भारत के ये दोनों शहर सिंगापुर से पिछड़ गए। तमिलनाडु सरकार और अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (एआईसीएफ) ने शतरंज की वैश्विक संस्था फिडे को मेजबानी के लिए अलग-अलग बोली सौंपी थी।

यह मुकाबला 20 नवंबर से 15 दिसंबर के बीच होगा। फिडे ने कहा, सिंगापुर सरकार से समर्थन के साथ सिंगापुर शतरंज महासंघ ने फिडे विश्व चैंपियनशिप मैच 2024 की मेजबानी हासिल की है। सभी दावेदारों की समीक्षा, आयोजन स्थलों, सुविधाओं, कार्यक्रम और मौकों की समीक्षा के बाद अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ ने सिंगापुर को चुना है।

फिडे अध्यक्ष अकार्डी ड्वोरकोविच ने कहा, हमें खुशी है कि फिडे के इतिहास में पहली बार, विश्व चैंपियनशिप का मैच सिंगापुर में होगा। सिंगापुर न केवल सबसे प्रतिष्ठित वैश्विक पर्यटन और व्यापार केंद्रों में से एक है, बल्कि यह एक संपन्न शतरंज केंद्र भी है जहां कई प्रतिभाएं हैं। मैं दिल्ली और चेन्नई को भी धन्यवाद देना चाहूंगा जो मेजबानी हासिल करने की दौड़ में थे और इन्होंने बोली लगाई थी।

कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतकर किया था क्वालिफाई

भारत के 17 वर्षीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने टोरंटो में अप्रैल में खेले गए कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीतकर इतिहास रच दिया था। इसके साथ ही वह 40 साल पहले महान गैरी कास्पारोव द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड को तोड़ते हुए विश्व खिताब के लिए सबसे कम उम्र के चैलेंजर बन गए थे। गुकेश कैंडिडेट्स चेस टूर्नामेंट जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी बने थे।

लंका प्रीमियर लीग 2024 के मुकाबलों का भारत में इस चैनल पर होगा लाइव टेलीकॉस्ट

कोलंबो, एजेंसी। पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2024 समाप्त होने के एक दिन बाद लंका प्रीमियर लीग के पांचवें संस्करण शुरू हुआ। इसके साथ ही फ्रेंचाइजी क्रिकेट लीग की

शुरुआत हो गई। लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) में श्रीलंकाई खिलाड़ियों के अलावा पाकिस्तान, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान और बांग्लादेश के भी कई दिग्गज खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज अफगानिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज भी एलपीएल 2024 की फ्रेंचाइजी कोलंबो स्ट्राइकर्स का हिस्सा हैं।

कैंडी फाल्कंस उन तीन टीमों में से एक है जिसे रीब्रांड किया गया है। लंका प्रीमियर लीग के पांचवें संस्करण की शुरुआत सोमवार 1 जुलाई 2024 को गत विजेता कैंडी फाल्कंस और दाम्बुला सिक्सर्स के बीच मैच से हुई।

रेसलिंग

पहलवान बजरंग पूनिया ने नाडा पर किया पलटवार लगाया ये बड़ा आरोप

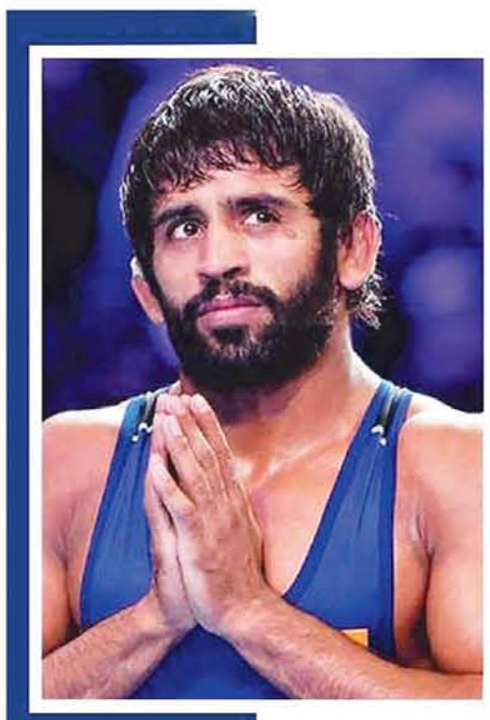

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय पुरुष पहलवान बजरंग पूनिया ने राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) पर कड़ा पलटवार करते हुए बड़ा आरोप लगाया है। नाडा ने 10 मार्च को सोनीपत में हुए चयन ट्रायल के दौरान डोप टेस्ट के लिए नमूने नहीं देने पर 23 अप्रैल को बजरंग को निलंबित कर दिया था। डोपिंग रोधी अनुशासनात्मक पैनल (एडीडीपी) से हालांकि बजरंग को राहत मिल गई थी, लेकिन नाडा ने 24 जून को बजरंग को दूसरी बार निलंबित कर दिया था। अब टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता पहलवान ने आरोप लगाया कि खामियों को उजागर करने के कारण नाडा उनके करियर को खत्म करना चाहता है। एडीडीपी ने पहला निलंबन इस आधार पर हटा दिया था कि नाडा ने पहलवान को औपचारिक नोटिस देकर आधिकारिक तौर पर उस पर डोपिंग का आरोप नहीं लगाया था। इसके बाद नाडा ने उन्हें नोटिस जारी किया और उन्हें फिर से निलंबित कर दिया। विश्व चैंपियनशिप में कई बार पदक जीतने वाले इस 30 साल के खिलाड़ी ने दावा किया कि उन्होंने कभी नमूना देने से इनकार नहीं किया, बल्कि केवल इस बात का जवाब मांगा था कि नाडा ने दिसंबर 2023 में नमूना संग्रह के लिए एक एक्सपायर हो चुकी किट क्यों भेजी थी।

नाडा मुझे निशाना बना रहा

बजरंग ने एक्स पर लिखा, यह दर्शाता है कि नाडा मुझे कैसे निशाना बना रहा है, वे नहीं चाहते कि मैं किसी भी कीमत पर कुश्ती जारी रखूं। उनके पास कोई जवाब नहीं है और वे अपनी गलतियों की जिम्मेदारी नहीं लेना चाहते, वे सिर्फ अपने छुटकारे के लिए एथलीट को परेशान करना चाहते हैं। नाडा नहीं चाहता कि कोई उनके गलत तरीकों पर सवाल उठाए और अगर कोई ऐसा करता है तो उसे निशाना बनाया जाता है ताकि वह अपना खेल जारी न रख सके। नाडा एक्सपायर हो चुकी किट के बारे में जवाब क्यों नहीं देता? नाडा इस बात का जवाब क्यों नहीं देता कि दो मैचों के बीच नमूना लेने के लिए मुझपर दबाव दिया गया, जबकि उन्हें पता था कि मेरे पास अगले मुकाबले की तैयारी करने के लिए केवल 20 मिनट थे।

यह नाडा द्वारा एक ही मामले में पहले निलंबन को निरस्त करने के बाद लगातार 2 महीनों में दूसरे निलंबन से संबंधित है। नाडा ने उन्हें दिए गए सभी तथ्यों को स्पष्ट रूप से नजरअंदाज कर दिया और मुझे फिर से निलंबित कर दिया।

बजरंग ने कहा कि इस मामले में वह हार नहीं मानेंगे। उन्होंने कहा, अगर नाडा अपने अहंकार के लिए पहलवानों के धैर्य और अपने अधिकारों के लिए खड़े होने के दृढ़ संकल्प को चुनौती देना चाहता है, तो उसे ऐसा करने दो। पहलवान यही है और अंत तक लड़ेगा। मेरे वकील समय पर अपना जवाब दाखिल करेंगे। बजरंग को आरोप स्वीकार करने या सुनवाई का अनुरोध करने के लिए 11 जुलाई तक का समय दिया गया है।

जिम्बाब्वे के लिए टीम इंडिया रवाना, अब जूनियर्स के कंधे पर टी-20 की कमान

नईदिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2024 में 29 जून को फतेह प्राप्त करने के बाद अब एक दम नई टीम इंडिया का टी20 में टेस्ट शुरू होगा. भारतीय टीम 5 मैचों की टी20 सीरीज के लिए रवाना हो गई है. संन्यास लेने के बाद विराट कोहली, रोहित शर्मा और रवींद्र जडेजा जैसे खिलाड़ी इस टीम से नदारद होंगे. इस टीम की कप्तानी शुभमन गिल को सौंपी गई है.

इसके अलावा टीम के इस दौरे के लिए हेड कोच राहुल द्रविड की जगह वीवीएस लक्ष्मण होंगे. राहुल द्रविड का बतौर हेड कोच भारतीय क्रिकेट टीम के साथ सफर 29 जून को खत्म हो गया. इसी बीच टीम इंडिया जिम्बाब्वे दौरे के लिए रवाना हो गई है, इसके फोटो भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की ओर से शेयर किए गए. जहां टीम के साथ वीवीएस लक्ष्मण भी दिखे, जो भारतीय टीम के हेड कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे. इसके अलावा BCCI ने फोटो शेयर किए, उसमें टीम के अन्य सदस्य भी दिख रहे हैं. इसमें पहली बार टीम इंडिया में शामिल हुए अभिषेक शर्मा और रियान पराग जैसे खिलाड़ी भी हैं. देखा जाए तो टी20 वर्ल्ड कप 2024 के मुख्य स्क्वॉड में शामिल 15 में से 13 खिलाड़ियों को इस दौरे से आराम दिया गया है.

पेरिस ओलंपिक से ठीक पहले नीरज चोपड़ा ने लिया बड़ा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। ओलंपिक और विश्व चैंपियन भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक से पहले एक बड़ा फैसला लिया है। हाल में पावो नूरमी खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाले और पेरिस खेलों में भारत की सबसे बड़ी पदक उम्मीद नीरज रविवार को होने वाले पेरिस डायमंड लीग में हिस्सा नहीं लेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, नीरज ने जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशी में असहजता के कारण इन खेलों से बाहर रहने का निर्णय लिया है।

पावो नूरमी खेल से शुरू की थी तैयारी

टोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता भारतीय भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने पिछले महीने पावो नूरमी खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की थी।

नीरज ने ओलंपिक से पहले हुए इन खेलों में 85.97 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ पहला स्थान हासिल किया और स्वर्ण पदक जीतने में सफल रहे थे। नीरज इस टूर्नामेंट में पहले पिछड़ रहे थे, लेकिन उन्होंने तीसरे प्रयास में शानदार वापसी की थी और अंत तक अपनी बढ़त को कायम रखने में सफल रहे थे।

पैर को मजबूत बनाने पर देंगे ध्यान

नीरज चोपड़ा ने कहा कि वह ट्रेनिंग और थ्रो करते समय ब्लॉकिंग करने वाले अपने पैर को मजबूत बनाने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने एक स्पोर्ट्स चैनल से कहा, मुझे थ्रो करते समय ब्लॉकिंग करने वाले पैर को मजबूत करना होगा क्योंकि उसी समय ग्रोइन में खिंचाव आता है। हम इस पर काम कर रहे हैं। मैं कुछ और टूर्नामेंट खेल सकता था और खेलना भी चाहता था, लेकिन मुझे लगा कि स्वास्थ्य सर्वोपरि है। थोड़ी भी असहजता महसूस होने पर रुक जाना ही ठीक है। नीरज चोपड़ा ने कहा कि वह अब समझदार हो गए हैं और जोखिम नहीं लेते। उन्होंने कहा, ओलंपिक में स्वर्ण जीतने से पहले मैं हर प्रतिस्पर्धा में भाग लेना चाहता था। अब अनुभव के साथ सही फैसले लेने लगा हूं। फिनलैंड में प्रदर्शन अच्छा था लेकिन अभी और काम करना होगा।

विम्बलडन में ओसाका का जीत से आगाज

तीन साल बाद वापसी

नईदिल्ली, एजेंसी। विम्बलडन का पहला राउंड सोमवार से शुरू हो गया। जापान की स्टार टेनिस खिलाड़ी नाओमी ओसाका ने जीत से शुरुआत की। तीन साल बाद इस ग्रैंड स्लैम में खेलने उतरी ओसाका ने पहले राउंड के मुकाबले में फ्रांस की डाबने पैरी को तीन सेट में 6-1, 1-6, 6-4 से हराया। दो बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन ओसका ने एक घंटे 32 मिनट में मुकाबला जीता। उनकी विम्बलडन में यह 2018 के बाद पहली जीत है। वहीं स्पेन के माजूदा चैंपियन कार्लोस अल्कारेज ने साल के तीसरे ग्रैंड स्लैम शानदार शुरुआत की।

एक ऐसा अनोखा गांव जहां हर किसी को बुलाने के लिए बनी है अलग धुन

अगर आपको कोई व्यक्ति नाम से नहीं बल्कि सीटी बजाकर या फिर किसी अन्य धुन की मदद से पुकारे तो फिर आपको कैसा लगेगा? शायद सुनने में आपको थोड़ा अजीब लगे। लेकिन अगर आपसे यह बोला जाए कि भारत के एक गांव में किसी भी व्यक्ति को नाम से नहीं बल्कि सीटी या विशेष धुन बजाकर पुकारा जाता है तो फिर आपका जवाब क्या होगा। जी हां, नॉर्थ-इंडिया में एक ऐसा अनोखा गांव है जहां लगभग हर कोई किसी अन्य व्यक्ति को बुलाने के लिए सीटी या धुन का उपयोग करता है। यह गांव इस विशेषता के लिए सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि भारत के बाहर भी फेमस है। आइए इस गांव के बारे में जानते हैं।

क्या है व्हिसलिंग विलेज का नाम?

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि जिस व्हिसलिंग विलेज के बारे में हम जिक्र कर रहे हैं उस अनोखे गांव का नाम कोंगथोंग है। कहा जाता है कि यह अनोखा गांव विश्व भर का एक अनोखा गांव है जहां के लोग दूसरे को नाम से नहीं बल्कि सीटी बजाकर बुलाते हैं। इस अजीबो-गरीब परंपरा के चलते इस गांव का नाम भी व्हिसलिंग विलेज रख दिया गया है, आज इसी नाम से यह गांव प्रचलित भी है।

हर व्यक्ति के लिए अलग धुन

आप यह ज़रूर सोचा रहे होंगे कि अगर किसी व्यक्ति को बुलाना हो और सीटी की आवाज एक जैसा हो तो फिर क्या होगा? आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इस गांव के लोग सीटी मारकर किसी को बुलाने के लिए प्रैक्टिस करते रहते हैं। कहा जाता है कि इस अनोखे गांव में लगभग 200 परिवार रहता है और लगभग 100 से अधिक धुन का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि, कई लोग बोलते हैं कि धुन की संख्या अधिक है।

क्या सच में संस्कृति का हिस्सा है?

कहा जाता है कि कोंगथोंग में सीटी बजाना कोई फैशन नहीं बल्कि यह स्थानीय संस्कृति का हिस्सा है। कहा जाता है कि आवाज की वजह से पशु या पक्षी डर न जाए इसलिए भी पक्षियों की आवाज में यहां के लोग धुन या सीटी बजाकर एक-दूसरे को बुलाते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें सीटी बजाने की धुन में पशु और पक्षियों की आवाज भी शामिल है। भारत का यह अनोखा गांव शिलांग से लगभग 55 किलोमीटर की दूरी पर है। ऐसे में आप शिलांग से लोकल बस या टैक्सी को लेकर जा सकते हैं। गुवाहाटी रेलवे स्टेशन से भी आप यहां जा सकते हैं। यह गांव मेघालय में है।

समुद्री जहाज कैसे पता करते हैं अपना रास्ता

जहाज नेविगेशन के लिए कई टूल और टेक्निक का इस्तेमाल करते हैं। आइए जानते हैं कुछ पारंपरिक तरीके जिनका उपयोग जहाज अपना रास्ता ढूंढने के लिए करते थे।

जहाज नेविगेशन के लिए कई टूल और टेक्निक का इस्तेमाल करते हैं, जो नाविकों को सुरक्षित और सटीक मार्गदर्शन में मदद करते हैं। आज के आधुनिक दौर में, जहाजों के लिए अपना रास्ता ढूंढना पहले से कहीं ज्यादा आसान हो गया है। जीपीएस (ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम) जैसी तकनीकों के आगमन के साथ, जहाज पृथ्वी की सतह पर अपनी सटीक स्थिति निर्धारित कर सकते हैं और निर्धारित मार्गों का पालन कर सकते हैं। लेकिन जीपीएस से पहले, जहाज कई सदियों से समुद्रों को पार करते रहे हैं, और यह केवल नाविकों के कौशल और ज्ञान के माध्यम से ही संभव था। तो आइए जानते हैं कुछ पारंपरिक तरीके जिनका उपयोग जहाज अपना रास्ता ढूंढने के लिए करते थे।

रडार

यह जहाजों, हिमखंडों और तटीय बाधाओं जैसे लक्ष्यों का पता लगाने के लिए रेडियो तरंगों का इस्तेमाल करता है। रडार स्क्रीन पर जहाज के आसपास के क्षेत्र का तस्वीर प्रदर्शित करता है, जिससे नाविकों को टकराव से बचने और अपने मार्ग का मार्गदर्शन करने में मदद मिलती है।

सोनार

यह पानी की गहराई को मापने के लिए ध्वनि तरंगों का इस्तेमाल करता है। सोनार तल से परावर्तित ध्वनि तरंगों के गूंज का एनालिसिस करके काम करता है। यह नाविकों को अनदेखी खतरों, जैसे कि चट्टानें और मलबे से बचने में मदद करता है।

दिशा सूचक यंत्र

यह पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र का इस्तेमाल करके दिशा निर्धारित करने के लिए एक चुंबकीय सूचक का उपयोग करता है। दिशा सूचक यंत्र सदियों से नेविगेशन के लिए इस्तेमाल किया जाता रहा है और यह आज भी एक महत्वपूर्ण उपकरण है, खासकर जब अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण विफल हो जाते हैं।

चुंबकीय परकार

यह पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र और सच्चे उत्तर (ज्योतिषीय उत्तर) के बीच अंतर को मापता है। चुम्बकीय भिन्नता को ध्यान में रखना महत्वपूर्ण है, ताकि दिशा सूचक यंत्र से प्राप्त रीडिंग को सही ढंग से व्याख्या किया जा सके।

एआरपीए

यह एक टक्कर-रोधी रडार प्रोसेस है, जो नाविकों को आसपास के जहाजों की स्पीड और प्रोग्राम को ट्रैक करने में मदद करती है। एआरपीए टकराव के खतरे की चेतावनी दे सकता है और नाविकों को टकराव से बचने के लिए पैंतरेबाजी करने में मदद कर सकता है।

जीपीएस

यह उपग्रहों से संकेतों का इस्तेमाल करके जहाज की स्थिति और समय को अत्यधिक सटीकता के साथ निर्धारित करता है। जीपीएस ने नेविगेशन में क्रांति ला दी है और यह अब जहाजों के लिए एक अनिवार्य उपकरण है।

गति और दूरी लॉग डिवाइस

यह जहाज की गति और किसी निश्चित स्थान से उसकी दूरी को मापता है। यह जानकारी नाविकों को अपनी प्रगति को ट्रैक करने और अनुमानित आगमन का समय निर्धारित करने में मदद करती है।

ऑटोपायलट

यह एक ऑटोमेटिक प्रोसेस है, जो मानव हस्तक्षेप के बिना जहाज को एक पूर्व निर्धारित प्रोग्राम पर रख सकती है। ऑटोपायलट का इस्तेमाल लंबी यात्राओं पर नाविकों के काम का बोझ कम करने और ईंधन बचाने में मदद करने के लिए किया जा सकता है।

दिक्सूचक

यह एक तेजी से घूमने वाला उपकरण है, जो पृथ्वी के अक्ष के घूर्णन और कोणीय गति के संरक्षण के सिद्धांत का इस्तेमाल करके सही उत्तर की ओर इशारा करता है। दिक्सूचक का उपयोग जहाजों के झुकाव और रोल को मापने के लिए भी किया जा सकता है।

पानी पर तैरता जहाज आखिर क्यों नहीं डूबता?

आपने कई बार पानी वाले जहाज में सफर किया होगा, मगर क्या आपको पता है कि यह बहते पानी में चलता कैसे है और यह डूबता क्यों नहीं है? अगर नहीं तो आइए जानते हैं।

पानी में रास्ता कैसे ढूंढा जाता है? कैसे पता चलता है कि कहां जाना है? जहाज में कौन-सा तेल डाला जाता है? हालांकि,जब हम जहाज में बैठते हैं तो हमारे सवालों के जवाब खुद ही मिल जाते हैं। ऐसे में अगर कुछ पता नहीं चल पाता वो है कि जब एक जहाज पानी में डूबता कैसे नहीं है।

आखिर क्यों नहीं डूबता जहाज?

कोई भी नाव या जहाज पानी में नहीं डूबते, जबकि नॉर्मल लौहे की वस्तु पानी में अगर फेंक दी जाए तो वह डूब जाती है। ऐसा इसलिए क्योंकि ये आर्कीमिडीज के सिद्धांत को ध्यान में रखकर बनाए जाते हैं और इसी आधार पर काम करते हैं। जब हम पानी में लोहे की कोई वस्तु डालते हैं, तो वो अपने भार के बराबर जल को हटाती हुई नीचे जाती है। जबकि जहाज के अंदर जो हवा होती है, वह पानी की तुलना में बहुत कम घनी होती है। यही चीज इसे पानी में डूबने नहीं देती।

क्या है आर्कीमिडीज सिद्धांत?

आसान शब्दों में समझने की कोशिश की जाए, तो आर्किमिडीज का सिद्धांत कहता है कि पानी में डूबी किसी वस्तु पर ऊपर की ओर लगने वाला कुल बल वस्तु द्वारा हटाए गए पानी के भार के बराबर होता है। यानी तैरते हुए पिंड का वजन उसके डूबे हुए भाग द्वारा विस्थापित तरल के वजन के बराबर होता है। इसलिए, एक जहाज पानी में तैरने में सक्षम होता है क्योंकि उसका वजन उसके द्वारा हटाए गए पानी के वजन के बराबर होता है।

पानी वाला जहाज समुद्र में कैसे चलता है?

हर जहाज को इस तरह डिजाइन किया जाता है कि इसका इंजन, प्रणोदित्रों, पैडल व्हील, मशीनों और प्रोपेलर पानी के दवाब को ऊपर करके गति प्रदान करता है, जिससे जहाज को हवा मिलती है और यह आगे बढ़ता है। हालांकि, किसी भी जहाज में प्रोपेलरों की संख्या इसके आकार पर निर्भर करती है, पर ज्यादातर जहाज में प्रोपेलर चार होते हैं।

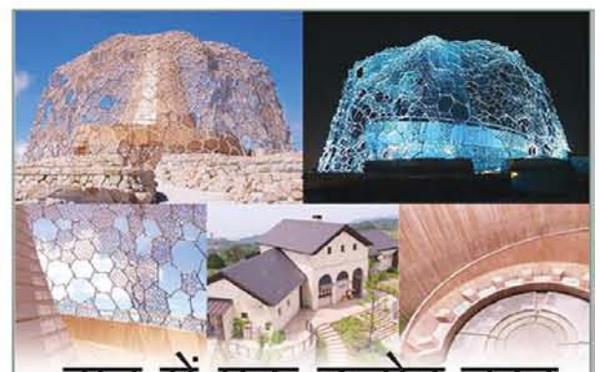

रात में एक करोड़ तरह की रंगीन लाइट से रोशन होती है ये जगह

जापान की रोक्को पर्वत श्रृंखला में माउंट रोक्को सबसे उंची चोटी है। जापानी शहर कोबे से यह बहुत नज़दीक है। यहां बनी यह आब्जर्वेटरी यानि वेधशाला विश्वविख्यात है। इस चोटी पर मौसम बदलता रहता है। कभी भीषण गर्मी तो कभी भंयकर सर्दी होती है। चारों और जालीनुमा पतियों वाले पेड़ हैं। प्रसिद्ध आर्किटेक्टर हिरोशी सानबुची ने इन्ही पतियों की तरह इसका उपरी हिस्सा हल्की लकड़ी और स्टील से डिज़ाइन किया है। इस आब्जर्वेटरी में सर्दियों में मौसम गर्म, तो गर्मियों में मौसम ठंडा रहता है। रात में एलईडी से एक करोड़ तरह की रंगीन लाइट निकलती है।

न्यूयॉर्क के इस हाल में है पूरा अंतरिक्ष

अंतरिक्ष की तरह दिखने वाली ये जगह न्यूयॉर्क का डिजिटल आर्ट सेंटर है। यह बैंक की एक इमारत में बनकर तैयार हुआ है। हॉल दे लुमिएर्स के नाम से प्रसिद्ध इस सेंटर की दीवारों और फ्लोरिंग को ऑस्ट्रियाई कलाकार गुस्ताव क्लिम्ट ने अपने हुनर से एक नया रूप दिया है। पेरिस के एटेलिए दे लुमिएर्स और दुबई के इन्फिनिटी ऐ लुमियर्स की तरह ही इस सेंटर में अंतरिक्ष जैसा नजारा युवाओं को रोमांचक अनुभव कराएगा। 33 हजार वर्गफीट में फैले इस सेंटर को फ्रांस की कल्चर स्पेस कंपनी ने खूबसूरत ढंग से बनकर तैयार किया है। इसके अलावा इस पूरे सेंटर में घूमने के लिए आपको टिकट लेना होता है। इसके अलावा आप अलग-अलग कलाकृतियों का आनंद उठाते हुए 1 घंटे के अंदर पूरा सेंटर घूम सकते हैं, जैसे-जैसे आप इस सेंटर में आगे की ओर बढ़ते हैं, उसी तरह आप अलग-अलग नजारों का आनंद उठा पाते हैं।

अतंरिक्ष थीम पर बनकर तैयार बबल हाउस बना आर्कषण का केन्द्र

ये नज़ारा किसी अतंरिक्ष प्रयोगशाला का नहीं बल्कि ऑस्ट्रेलिया के कराली शहर में बना बबल हाउस का है। एनिमेटेड सीरिज से प्रभावित ये इमारत तीन मंज़िला है। इस मकान को बनाने के लिए ग्यारह विशाल डोम को एक साथ जोड़ा गया है। इसमें बीस कमरे, चार बाथरूम, तीन बेडरूम, और चार कार गैरेज है। आर्किटेक्ट ग्राहम बिरचाल ने इसकी डिज़ाइनिंग की है। हालाकि इस नायाब और खूबसूरत मकान को तैयार करने में उन्होंने नासा की भी मदद ली है। नदी किनारे बनाई गई इस प्रापर्टी की कीमत 8.22 करोड़ रूपये है।

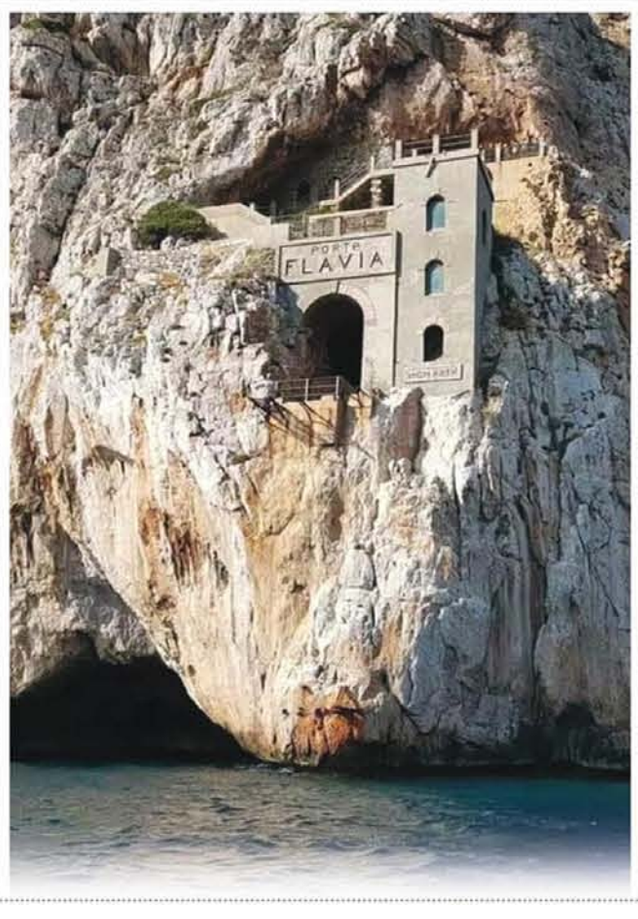

बंदरगाह पोर्टो फ्लाविया है उत्कृष्ट इंजीनियरिंग का बेहतरीन नमूना

पोर्टो फ्लाविया एक समुद्री बंदरगाह है जो इटली के इग्लेसियस कम्यून में नेबिडा के पास मौजूद है। सन् 1923-24 में बनाया गया यह बंदरगाह सार्डिनियन इग्लेसिएंट क्षेत्र के पश्चिमी तट में मसुआ के खनिज उत्पादन केंद्र के रूप में कार्य करता था। इसका नाम बंदरगाह के इंजीनियर और डिजाइनर सेसारे वेसेली की बेटी फ्लाविया वेसेली के नाम पर रखा गया है। बंदरगाह की विशेषताएं इसे दुनिया में अद्वितीय बनाती हैं। इसके निर्माण के वक्त यह एक उत्कृष्ट इंजीनियरिंग उपलब्धि मानी जाती थी।

दुनिया में इंजीनिरिंग के ऐसे कई उदाहरण आपको देखने को मिल जाएंगे, जिन्हें देखकर आप चौंक जाएंगे. हाल के दिनों में इंजीनियरिंग का ऐसा ही चमत्कार कहा जाने वाला बंदरगाह लोगों के बीच चर्चा में है. इसे देखने के बाद यकीनन आज के वैज्ञानिक भी चौंक जाएंगे. बंदरगाह की बनावट देख दंग रह जाते हैं लोग, इंजीनियरिंग का चमत्कार है ये जगह आज के समय में भले ही विज्ञान की मदद से हम नामुमकिन से लगने वाले काम को मुमकिन कर सकते हैं. अगर आपको ऐसा लगता है कि विज्ञान ने हाल-फिलहाल में इतनी तरक्की की है तो आप गलत है. दुनिया में इंजीनिरिंग के ऐसे कई उदाहरण आपको देखने को मिल जाएंगे, जिन्हें देखकर आप चौंक जाएंगे. हाल के दिनों में इंजीनियरिंग का ऐसा ही चमत्कार कहा जाने वाला बंदरगाह लोगों के बीच चर्चा में है. जिसे देखने के बाद यकीनन आज के वैज्ञानिक भी चौंक जाएंगे क्योंकि ये पूरी तरीके से समुद्र और आकाश के बीच लटका हुआ है.

यहां बात हो रही है पोर्टो फ्लाविया इटली के सार्डिनिया के बारे में, जिसका निर्माण 1923-24 में हुआ था. ये पोर्ट समुद्र से 50 मीटर ऊपर एक चट्टान पर स्थित है. जिसकी बनावट देख लोग हैरान रह जाते हैं. इस बंदरगाह को लेकर कहा गया है कि ये भव्य इमारत Pan di Zucchero पहाड़ पर स्थित है. जिसके भीतर 600 मीटर लंबी दो सुरंगें भी हैं. इसका इस्तेमाल मसुआ खदानों में से जस्ता और सीसा अयस्कों को मालवाहक जहाजों में लोड करने के लिए किया जाता था. बता दें कि ये बंदरगाह 1960 के दशक तक चालू था. हालांकि समय के साथ ये अब पूरी तरीके से बंद हो चुका है और अब ये एक टूरिस्ट प्लेस बन चुका है. जिसे देखने हर साल लाखों लोग आते हैं. वे इसकी अद्भुत बनावट को देखकर दंग रह जाते हैं. अब इससे जुड़ा एक वीडियो वायरल हो रहा है. वीडियो में आप देख सकते हैं कि चारों ओर दूर-दूर तक फैला नीला और फिरोजा रंग का पानी मौजूद है. जो किसी के भी मन को आसानी से मोह सकता है. यहां तक पहुंचने के लिए पर्यटक नावों का इस्तेमाल करते हैं. पोर्टो फ्लाविया दुनिया में अद्भुत बंदरगाह है. इस जगह के बारे में कुछ लोग कहते हैं कि यह दुनिया की सबसे खूबसूरत खदान है. इसकी खूबसूरती का अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि ये यूनेस्को द्वारा संरक्षित पर्यटक स्थल है.

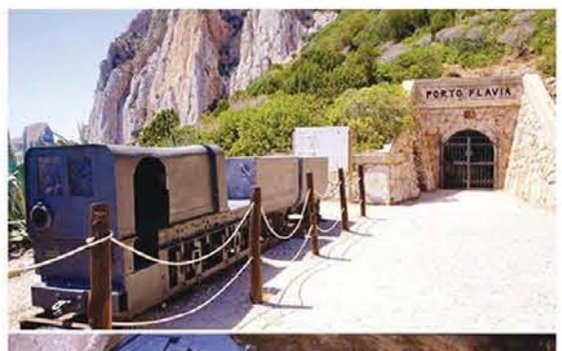

गोपीचंद की आगामी फिल्म में एक्शन अवतार में नजर आएंगे सनी देओल

मसाला फिल्मों के सफल निर्देशक गोपीचंद मालिनेनी की आगामी फिल्म एसडीजीएम का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। साउथ फिल्मों के निर्देशक की इस फिल्म को लेकर पूरे भारत में उत्साह देखने को मिल रहा है। फिल्म की घोषणा होने के बाद से दर्शक इस फिल्म से जुड़ी हर बड़ी-छोटी जानकारी पर लगातार निगाहें टिकाए हुए हैं। फिल्म में हिंदी फिल्मों के मशहूर अभिनेता सनी देओल नजर आने वाले है। इस फिल्म की शूटिंग शुरू भी हो चुकी है, जिसकी जानकारी निर्माताओं द्वारा हाल में ही दी गई थी। फिल्म को लेकर अफवाहों का बाजार काफी गर्म है, जिसको लेकर निर्देशक ने बीते दिनों बात भी की थी। अब फिल्म को लेकर एक और नई जानकारी सामने आई है। इस फिल्म के निर्देशक और अभिनेता की जोड़ी काफी दिलचस्प है। गोपीचंद मास फिल्मों के सफल निर्देशक हैं। वहीं, सनी देओल मास तथा एक्शन फिल्मों के जाने-माने अभिनेता हैं। ऐसे में दर्शकों को पर्दे पर पैसा वसूल मनोरंजक फिल्म देखने को मिल सकती है। जैसे-जैसे फिल्म की शूटिंग आगे बढ़ रही है, फिल्म को लेकर नए-नए दावे किए जा रहे हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म में निर्देशक सनी देओल को पहले से काफी अलग और बड़े अवतार में पेश करने वाले हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इस फिल्म में सनी देओल के कुछ मशहूर डायलॉग्स को फिर से पर्दे पर जिंदा किया जाएगा।

गोपीचंद अपनी फिल्मों में एक्शन काफी अच्छे से दिखाते हैं, ऐसे में उनकी फिल्म में सनी देओल को एक बार फिर एक्शन अवतार में देखना दर्शको के लिए काफी दिलचस्प होने वाला है। बात करें एसडीजीएम की तो इसमें मुख्य अभिनेत्री के तौर पर सैयामी खेर और रेजिना कैसेंड्रा को चुना गया है। टॉलीवुड के प्रमुख प्रोडक्शन हाउस मैत्री मूवी मेकर्स और पीपल मीडिया फैक्ट्री इस फिल्म का निर्माण बड़े पैमाने पर कर रहे हैं। थमन एस फिल्म के लिए संगीत तैयार कर रहे हैं। ऋषि पंजाबी सिनेमैटोग्राफी संभाल रहे हैं और नवीन नूली संपादन का काम देख रहे हैं। साथ ही अविनाश कोल्ला प्रोडक्शन डिजाइनिंग कर रहे हैं।

बॉलीवुड में चमकता सितारा बन कर उभरी ये अभिनेत्रियां

साउथ फिल्मों से किया करियर का शुभारंभ

हिंदी सिनेमा में आज अपने अदाकारी का लोहा मनवा रही कई दिग्गज अभिनेत्रियों ने अपने करियर की शुरुआत साउथ की फिल्मों से की थी। इन्होंने दक्षिण की फिल्मों से अभिनय के क्षेत्र में कदम रखा और फिर बॉलीवुड में छा गई। आज हम उन्हीं अभिनेत्रियों के बारे में जानेंगे जिनके अभिनय की शुरुआत साउथ से हुई पर राज उन्होंने हिंदी सिनेमा उद्योग में किया।

प्रियंका चोपड़ा

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा की गिनती आज विश्व की मशहूर अभिनेत्रियों में होती है। अभिनेत्री ने मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता जीतने के बाद अभिनय के क्षेत्र में कदम रखा। उन्होंने बतौर अभिनेत्री साउथ की फिल्म 'थामीजान' में अभिनय किया।

कृति सैनन

इस लिस्ट में अभिनेत्री कृति सैनन भी शामिल हैं। कृति ने महेश बाबू की फिल्म नेनोक्कादीन से अपने करियर की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने टाइगर श्रॉफ की फिल्म 'हीरोपंती' से बॉलीवुड में डेब्यू किया।

तापसी पन्नू

अभिनेत्री तापसी पन्नू ने अपने करियर की शुरुआत साउथ की फिल्म 'झुम्मांडि नादां' से की थी। दक्षिण भारत की कई सुपरहिट फिल्मों में उन्होंने काम करने के बाद बॉलीवुड का रुख किया। बॉलीवुड में भी वह अपने अभिनय कौशल के चलते एक चमकता हुआ सितारा बनी हुई हैं।

यामी गौतम

'आर्टिकल 370' की अभिनेत्री यामी गौतम की पहली फिल्म कन्नड़ की उल्लास उत्साह थी। इसके बाद अभिनेत्री कई बॉलीवुड फिल्मों में आई। यामी की अदाकारी के लिए उन्हें काफी सराहना मिलती है।

दीपिका पादुकोण

बॉलीवुड की सुपरस्टार अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने साल 2016 में आई साउथ की फिल्म 'ऐश्वर्या' से अपने करियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म के बाद उन्होंने शाहरुख खान की फिल्म 'ओम शांति ओम' से हिंदी सिनेमा में डेब्यू किया।

तब्बू

दिग्गज अभिनेत्री तब्बू ने साल 1991 में आई तेलुगु फिल्म 'कुली नंबर-1' से किया था। हालांकि, इससे पहले वह बतौर बाल कलाकार साल 1985 में आई फिल्म 'हम नौजवान' में भी अभिनय कर चुकी थीं।

करीना की द बकिंघम मर्डर्स को मिली रिलीज डेट

हंसल मेहता के निर्देशन में बनी करीना कपूर की फिल्म द बकिंघम मर्डर्स को रिलीज डेट मिल गई है। आज बालाजी मोशन पिक्चर्स ने इसकी रिलीज से पर्दा उठाया है। यह मर्डर मिस्ट्री फिल्म इस साल सितंबर में रिलीज होगी। बालाजी मोशन पिक्चर्स ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया है। इसके साथ लिखा है, हम द बकिंघम मर्डर्सकी रिलीज डेट का एलान करते हुए रोमांचित महसूस कर रहे हैं। यह फिल्म 13 सितंबर 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इसके साथ फिल्म से करीना कपूर का पोस्टर भी साझा किया है। ओटीटी रिलीज के लग रहे थे कयास द बकिंघम मर्डर्स का बीएफआई लंदन फिल्म फेस्टिवल 2023 में प्रीमियर हुआ था, जिसक खूब तारीफ हुई। इसके अलावा मुंबई फिल्म फेस्टिवल 2023 में भी इस फिल्म की स्क्रीनिंग हुई थी। इस फिल्म में करीना कपूर एक जासूस महिला का किरदार निभा रही हैं, जिसका नाम जस भामरा है। पहले कयास लगाए जा रहे थे कि यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज होगी, लेकिन अब सामने आई जानकारी में फिल्म थिएटर्स में देखी जा सकेगी। द बकिंघम मर्डर्स से करीना कपूर खान बतौर प्रोड्यूसर भी डेब्यू कर रही हैं। वह इसकी सह-निर्माता हैं। शोभा कपूर, एकता कपूर और करीना कपूर खान के साथ बालाजी टेलीफिल्म्स और टीबीएम फिल्म्स ने इस फिल्म को प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म में करीना के साथ साथ ऐश टंडन, रणवीर बराड़ और कीथ एलन जैसे दमदार सितारे हैं। फिल्म की रिलीज डेट सामने आने के बाद दर्शक खुशी जता रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, इस फिल्म को लेकर अलग तरह का एक्साइटमेंट है। वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा, कुछ अच्छा आने वाला है।

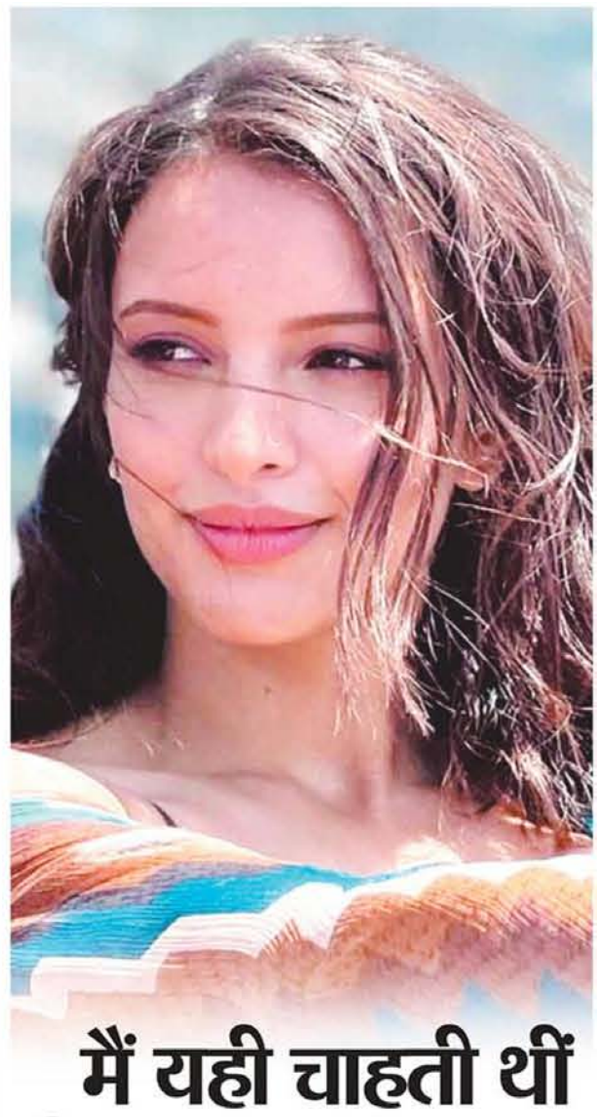

मैं यही चाहती थीं कि लोग मेरे काम के बारे में बात करें

तृप्ति डिमरी की नई फिल्म बैड न्यूज का ट्रेलर जारी हो चुका है। इस फिल्म में तृप्ति डिमरी के साथ-साथ विक्की कौशल और एमी विर्क ने भी अभिनय किया है। ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम के दौरान तृप्ति डिमरी ने नेशनल क्रश कहे जाने को लेकर अपनी बात रखी। नई-पुरानी सभी फिल्मों में दर्शकों से खूब प्यार मिला मीडिया से हुए सवाल-जवाब के दौरान तृप्ति डिमरी से पूछा गया कि वो इस चीज को किस तरह से देखती हैं कि अभिनेत्री के फिल्म में किए गए अभिनय की तारीफ ना करके उसे नेशनल क्रश का खिताब दे दिया जाता है। जवाब में तृप्ति ने कहा कि उनका अनुभव अलग तरह का रहा है। उन्होंने इसके लिए भगवान को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने अपने करियर में जितनी भी फिल्मों में काम किया है, चाहे वे पुरानी फिल्में हों या फिर हाल ही में रिलीज हुई, उन्हें दर्शकों की ओर से बहुत प्यार मिला है। तृप्ति ने कहा कि लोगों ने उनके काम को पसंद किया है। बता दें कि एनिमल फिल्म के रिलीज होने के बाद से तृप्ति डिमरी को नेशनल क्रश कहा जाने लगा था। तृप्ति डिमरी ने कहा कि जब वो इंडस्ट्री में आई थीं, तो वो यही चाहती थीं कि लोग उनके काम के बारे में बात करें। किसी और चीज के बारे में नहीं। उन्होंने कहा कि सौभाग्य से, जब-जब उनकी फिल्म रिलीज हुई तो दर्शकों ने उनके काम को लेकर बातें की। मालूम हो कि बैड न्यूज एक रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म है, जो 19 जुलाई, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन आनंद तिवारी ने किया है।

वक्त आने पर जरूर बनेगी चाणक्य फिलहाल यह फिल्म होल्ड है

अजय देवगन को फिल्म उद्योग में आए 34 साल हो चुके हैं। इन 34 सालों में उन्होंने कई बेहतरीन फिल्मों को दर्शकों के सामने पेश किया है। उनका अपना एक अलग दर्शक वर्ग है जो लगातार उनकी फिल्मों को देखना पसन्द करता है। फिल्म उद्योग का हर बड़ा निर्माता निर्देशक अजय देवगन के साथ काम करना चाहता है। एक समय पर अक्षय कुमार के साथ फिल्में बनाने वाले निर्देशक नीरज पांडे ने भी एक बार अजय देवगन को लेकर बड़े स्तर पर चाणक्य नामक फिल्म बनाने का ऐलान किया था। लेकिन यह फिल्म बन नहीं पाई। कहा गया कि यह फिल्म अब कभी नहीं बनेगी इसे पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। लेकिन हाल ही में नीरज पांडे ने एक साक्षात्कार में इस बात की पुष्टि की है कि फिल्म बंद नहीं हुई है यह बनेगी जरूर, पर फिलहाल इसे होल्ड पर रखा गया है। गौरतलब है कि अजय देवगन को लेकर चाणक्य बनाने वाले निर्देशक नीरज पांडे ने चाणक्य को होल्ड करके अजय देवगन के साथ औरों में कहाँ दम था का निर्माण व निर्देशन किया है। फिल्म आगामी शुक्रवार 5 जुलाई को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होने जा रही है। नीरज ने एक इंटरव्यू में अपनी फिल्मों को लेकर कई बातें शेयर कीं। जब नीरज से उनकी फिल्म 'चाणक्य' के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि कई कारणों से वह फिल्म नहीं बन पाई है। फिलहाल हमने उसे होल्ड पर डाल दिया है। मुझे लगता है कि काफी समय से हममें एक गिल्ट सा था कि एक प्रोजेक्ट में हमने अपना काफी समय दे दिया है और वह प्रोजेक्ट बन नहीं पाया। फिर मैंने यह फिल्म बना ली। इस फिल्म के लिए वहीं से बातचीत शुरू हुई थी। मेरे पास यह कहानी थी। कलाकारों को सुनाई और फिल्म शुरू हो गई। यह कहानी कोलकाता में मेरे बड़े होने के दौरान का एक अहम हिस्सा रही है। इस कहानी का एक हद तक श्रेय मैं अपनी जन्मस्थली को दूंगा। मैंने कभी नहीं सोचा कि वह घटना कभी कहानी में परिवर्तित होगी या एक दिन उस पर स्क्रिप्ट लिखूंगा। घटना के बारे में नहीं बता सकता वरना फिल्म का मजा खराब हो जाएगा।

मैं कॉमेडी जॉनर को एक्सप्लोर करना चाहता था इसलिए बैड न्यूज को किया हां

विक्की कौशल अपनी अपकमिंग कॉमेडी ड्रामा फिल्म बैड न्यूज को लेकर चर्चा में हैं। इसमें वो तृप्ति डिमरी और एमी विर्क के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए नजर आने वाले हैं। इसमें कॉमेडी के साथ-साथ रोमांस का भी तड़का देखने को मिलेगा। फिल्म को करने के पीछे की वजह बताते हुए एक्टर ने कहा है कि उन्होंने इस मूवी के लिए इसलिए हामी भरी, क्योंकि वह कॉमेडी जॉनर को एक्सप्लोर करना चाहते थे। वह ऐसा कुछ करना चाहते थे, जो उन्होंने पहले नहीं किया है। एक्टर ने कॉमेडी फिल्म की शूटिंग के एक्सपीरियंस को शेयर किया। उन्होंने कहा कि इस जॉनर में पहली बार काम करने के बावजूद उन्हें इसमें काफी सहजता महसूस हुई।

विक्की ने कहा, मेरे लिए इस फिल्म की शूटिंग घर पर होने जैसा था। आनंद तिवारी और करण जौहर के साथ काम करना काफी अच्छा रहा, साथ ही स्क्रिप्ट भी बहुत अच्छी थी। फिल्म का कॉन्सेप्ट मुझे नया लगा और इसमें कॉमेडी भरपूर है, हालांकि मैंने बतौर एक्टर कॉमेडी जॉनर को ज्यादा एक्सप्लोर नहीं किया है। फिल्म डायरेक्टर आनंद तिवारी के बारे में बात करते हुए विक्की ने कहा, एक बेहतरीन एक्टर होने के अलावा, वह एक शानदार डायरेक्टर भी हैं, खासकर जब कॉमेडी की बात आती है, तो उनसे बेहतर एक्टर कोई नहीं हैं। एक्टर ने आगे कहा, मेरे लिए यह कुछ नया भी था। सीन में जिस तरह की एनर्जी दिखाने की जरूरत होती है, वह मुझे सेट से मिली। मैं एक फैमिली के साथ काम कर रहा था, जो मायने काफी रखता है, क्योंकि मैंने कॉमेडी जॉनर में न के बराबर काम किया है और बहुत सी चीजें मेरे लिए नई थीं। इसलिए, बिना ज्यादा सोचे-समझे, मैंने इनके सामने सरेंडर कर दिया। फिल्म का डायरेक्शन आनंद तिवारी ने किया है। वहीं स्क्रिप्ट तरुम डुडेजा और इशिता मोइत्रा ने मिलकर लिखी है। यह अमेजन प्राइम और करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस द्वारा लियो मीडिया कलेक्टिव के सहयोग से प्रस्तुत की जा रही है। फिल्म में विक्की कौशल के अलावा तृप्ति डिमरी और एमी विर्क भी हैं। वहीं नेहा धूपिया भी अहम रोल में हैं। फिल्म का ट्रेलर हाल ही में रिलीज किया गया। ट्रेलर से पता चलता है कि फिल्म में तृप्ति ने सलोनी नाम की लड़की का किरदार निभाया है, जो प्रेग्नेंट है, लेकिन बच्चे का बाप कौन है, इसको लेकर कन्फ्यूजन में हैं। जब यह बात वह विक्की कौशल को बताती हैं, तो वह काफी खुश होते है कि वह पापा बनने वाले हैं। इसी बीच विक्की को पता चलता है कि तृप्ति का एमी विर्क के साथ भी रिलेशन है। वह उसके साथ भी कमिटेड हुई थी। विक्की कौशल, अखिल चड्ढा और एमी विर्क, गुरबीर पाजी के रोल में हैं। पिता का पता लगाने के लिए तृप्ति डॉक्टर की सलाह पर दोनों का पैटर्निटी टेस्ट करवाती हैं, तो पता चलता है कि दोनों ही बच्चे के बाप है। यहां से कहानी और दिलचस्प हो जाती हैं। दोनों सलोनी को यह साबित करने में जुट जाते हैं कि वह एक बेस्ट फादर हैं। बैड न्यूज 19 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

कल्कि 2898 एडी में सुमति के लिए शोभिता ने दी अपनी आवाज

कल्कि 2898 एडी ने एक बार फिर से सिनेमाघरों की रौनक वापस ला दी है। पिछले कई महीने से बॉक्स ऑफिस पर कोई भी फिल्म बंपर कमाई नहीं कर पा रही थी, लेकिन अब नाग अश्विन के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने टिकट खिड़की का सूखा खत्म कर दिया है। फिल्म ने सबसे अधिक तेलुगू भाषा में इसने कलेक्शन किया है। अब फिल्म को तेलुगू भाषा में सुमति बनी दीपिका पादुकोण को शोभिता ने अपनी आवाज दी थी। अभिनेत्री ने आज इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर इसकी जानकारी दी है यानी तेलुगू में दीपिका को जब आप डायलॉग बोलते सुनेंगे तो वो दरअसल शोभिता की आवाज है।

संचारी रोगों से निपटने को 40 सदस्यीय आरआरटी गठित

नोएडा (चेतना मंच)। प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम. के निर्देशानुसार, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी संजय खत्री की अध्यक्षता में एक उच्च-

स्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया।

बैठक में लिए गए प्रमुख निर्णयों में से सबसे महत्वपूर्ण है अगस्त 2024 से एक 40 सदस्यीय रैपिड रेस्पांस टीम (RRT) का गठन, जो मुख्य चिकित्सा अधिकारी और जिला मलेरिया अधिकारी के नेतृत्व में काम करेगी। यह टीम न केवल संचारी रोगों के नियंत्रण पर ध्यान केंद्रित करेगी, बल्कि सभी सेक्टरों और गांवों में जागरूकता कार्यक्रम भी संचालित करेगी। प्राधिकरण ने 'सोर्स रिडक्शन' पर विशेष जोर दिया है। RRT के सदस्य घर-घर जाकर सर्वेक्षण करेंगे और लोगों को पानी की टंकी, कूलरों की सफाई, और घरों के आस-पास पानी जमा न होने देने जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं के बारे में जागरूक करेंगे।

शहर की स्वच्छता पर विशेष ध्यान देते हुए सभी नालों, नालियों की सफाई और घास की कटाई के निर्देश दिए गए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में एक सप्ताह का विशेष अभियान चलाया जाएगा, जिसमें सभी नालियों और खाली भूखंडों की सफाई की जाएगी। साथ ही, नोएडा क्षेत्र के सभी तालाबों की सूची तैयार करने और उनके आसपास की सफाई पर भी ध्यान दिया जाएगा।

गैर-सरकारी संगठनों के माध्यम से झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्रों और संचारी रोगों से अधिक प्रभावित इलाकों में मच्छरदानी वितरण की योजना भी है। जन जागरूकता बढ़ाने के लिए, नोएडा के मुख्य मार्गों पर स्थापित बड़ी स्क्रीन पर वीडियो प्रसारण और डोर-टू-डोर वाहनों पर ऑडियो संदेश चलाए जाएंगे। विभिन्न सेक्टरों के RWA, AOA और ग्राम समितियों के साथ मिलकर निगरानी समितियां गठित की जाएंगी।

इस मौके पर जीएम (जल) आर.पी. सिंह, डीजीएम एसपी सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक गौरव बंसल, आर.के. शर्मा आदि अधिकारी मौजूद थे।

राफेल और मिराज-2K भी भरेंगे उड़ान, फ्रांसीसी कंपनी की निगाहें टिकी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के पास जेवर में बन रहे जेवर एयरपोर्ट (नोएडा इंटरनेशनल

एयरपोर्ट) से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। जेवर एयरपोर्ट के पास जमीन पर फ्रांसीसी एविएशन क्षेत्र की बड़ी कंपनी की नजर टिक गई है। जेवर एयरपोर्ट के पास जमीन तलाश रही फ्रांसीसी कंपनी की कोशिश अगर कामयाब हुई तो जेवर एयरपोर्ट से लड़ाकू विमान राफेल और मिराज-2के भी उड़ान भरेंगे।

ग्रेटर नोएडा के पास जेवर में एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट जेवर एयरपोर्ट (नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट) बन रहा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के इस ड्रीम प्रोजेक्ट को पहले चरण में दिसंबर 2024 तक पूरा करना है। दिसंबर के अंत तक यहां पर तैयार किए गए एक रनवे से विमान उड़ान भरने लगेंगे। जेवर एयरपोर्ट के दूसरे चरण में यहां 1 हजार एकड़ भूमि पर एविएशन हब (विमानन केन्द्र) का निर्माण होगा जिसमें विमान असेंबली, इंजन उत्पादन, रखरखाव, मरम्मत तथा ओवरहाल किया जाएगा।

जेवर एयरपोर्ट से जुड़ी बड़ी खबर अब सामने आई है। फ्रांस की दिग्गज विमानन कंपनी डसॉल्ट एविएशन ने जेवर एयरपोर्ट को लेकर रूचि दिखाई है। सूत्रों के मुताबिक डसॉल्ट एविएशन एसए मिराज-2के और हाल ही में भारतीय वायुसेना के युद्ध बेडे में शामिल हुए लड़ाकू विमान राफेल के लिए एमआरओ (रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल) की सुविधा के लिए जेवर एयरपोर्ट (नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट) के पास भूमि अधिग्रहण करने की प्रक्रिया में है। इससे देश में राफेल लड़ाकू विमानों के नवीनतम संस्करणों के स्थानीय निर्माण के लिए मंच तैयार हो जाएगा। साथ ही भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों के लिए भी कारगर साबित होगा।

फ्रांस से भारत को मिले लड़ाकू राफेल विमानों के इंजनों के एमआरओ के लिए हैदराबाद में यूनिट स्थापित है। साथ ही पंजाब के अंबाला स्थित एयरबेस में पहले से ही बेस मैंटेनेंस डिपो, मरम्मत, प्रशिक्षण और सियुलेटर की व्यवस्था है।

'बाबा के बुल्डोजर' ने छलेरा में अतिक्रमण हटाया

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा शहर से अतिक्रमण को हटाने के लिए नोएडा प्राधिकरण का अभियान लगातार चल रहा है। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डा. लोकेश एम के निर्देश पर प्राधिकरण की अधिसूचित भूमि पर किए गए अतिक्रमण को तोड़कर उसे अवैध कब्जे से मुक्त कराया जा रहा है।

नोएडा प्राधिकरण के इस अभियान के तहत मंगलवार को सेक्टर-44 के छलेरा में एफब्लॉक के खसरा नम्बर-14एम पर अवैध रूप से किए गए निर्माण को बाबा के बुल्डोजर ने साफ कर दिया। इस भूमि पर अवैध रूप से झुग्गियां व कबाड़ के स्टोर बनाए गए थे। नोएडा प्राधिकरण ने लगभग 500 वर्गमीटर अधिसूचित भूमि पर किए गए अवैध निर्माण को तोड़ डाला। इस भूमि की कीमत करीब 3 करोड़ रूपये बताई जाती है। प्राधिकरण के अधिकारियों का कहना है कि नोएडा में जहां कहीं भी अवैध रूप से अतिक्रमण किया गया है उसे हर हाल में तोड़ दिया जाएगा। नोएडा प्राधिकरण की इस कार्यवाही से आसपास के इलाकों में अवैध रूप से निर्माण करने वालों में हड़कंप मचा हुआ है।

भाजयुमो ने राहुल गांधी का पुतला फूंका

हिन्दुओं को हिंसक कहने वाले राहुल गांधी हिन्दू विरोधी : रामनिवास यादव

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता युवा मोर्चा नोएडा महानगर के कार्यकर्ताओं ने युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष रामनिवास यादव के नेतृत्व सेक्टर-122 पर्थला चौक के पास में लोकसभा में द्वारा हिंदुओं को हिंसक कह कर हिंदुओं का अपमान करने पर राहुल गांधी का पुतला फूंका।

राहुल के इस वक्तव्य का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी लोकसभा में अपना विरोध प्रकट किया था। राहुल गांधी पहले भी अपने हिंदू विरोधी बयानों से देश के बहु संख्यक समाज को रूष्ट कर चुके हैं।

कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष विपुल शर्मा, नरेंद्र जोगी, प्रवीन चौहान, शिवम शर्मा, लेखराज बेनीवाल, मंडल अध्यक्ष ललित शर्मा, सौरभ चौहान, हरश शर्मा विक्की दास, कुलदीप प्रजापति, संदीप तोमर सुशील यादव अमित यादव वंश यादव, सिद्धू यादव इत्यादि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्री राम हनुमान सेवा समिति ने किया 101वां हनुमान चालीसा पाठ

नोएडा (चेतना मंच)। श्री राम हनुमान सेवा समिति ने मंगलवार को

भी 101वां हनुमान चालीसा का पाठ सेक्टर-50 सनातन धर्म मन्दिर पर किया। प्रोग्राम आयोजक धर्मेंद्र नन्दा (समिति के मुख्य सलाहकार)के नेतृत्व में हनुमान चालीसा का पाठ किया। जिसका संचालन मन्दिर के संचालक पंकज पांडेय और विमलेश पांडेयने किया। जिसकी अध्यक्षता सतपाल यादव ने की।

इस मौके पर (राष्ट्रीय अध्यक्ष) मुकतानन्द प्रधान, (राष्ट्रीय सचिव) राम निवास यादव, (संस्थापक) अनिल मास्टर, (एनसीआर अध्यक्ष) अशोक यादव, (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष) भागवत् दयाल शर्मा, (युवा अध्यक्ष) सौरव यादव, अनूप नन्दा, भगवान दास, महेंद्र कुमार, राजेश तिवारी, अशोक अग्रवाल, मुकेश शर्मा, उमेश वर्मा, महिला मोर्चा प्रभारी श्रीमती मनोज शर्मा, वंदना शर्मा, काजल, रजनी, बबीता श्रीवास्तव, दिनेश बियानी आदि अनेक भक्तों ने उपस्थित रह कर भजन कीर्तन भी किया।

सूरजपुर वेटलैंड में वन महोत्सव सम्पन्न

नोएडा (चेतना मंच)। सूरजपुर वेटलैंड में वन महोत्सव-2024 का आयोजन किया गया। इस साल वृक्षारोपण का थीम है 'एक पेड़ मां के नाम' इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि चंद्र प्रकाश गोयल भूतपूर्व महानिदेशक वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, मेंबर सेंट्रल एंपावर्ड कमेटी और विशिष्ट अतिथि जेआर भट्ट मेंबर सेंट्रल एंपावर्ड कमेटी, मुख्य वन संरक्षक एन के जानू तथा प्रभागीय वनाधिकारी प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, CISF और ITBP के जवानों, स्कूल के बच्चों व प्रधानाचार्य तथा कुछ स्थानीय लोगों के साथ वृक्षारोपण कार्य वन विभाग के माध्यम से किया गया।

इस वृक्षारोपण में मुख्यत: फलदार प्रजाति आम, अमरूद, जामुन, नींबू, संतरा, मौसमी, इमली इत्यादि के वृक्ष लगाए गए हैं और वृक्षारोपण के महत्व के बारे में लोगों को जागृत किया गया।

कंबोडिया के प्रतिनिधिमंडल ने किया जनपद का दौरा

नोएडा (चेतना मंच)। केंद्र, राज्य एवं जनपदों में प्रशासनिक ढांचे की कार्य प्रणाली, योजना एवं कार्यक्रमों की गहन जानकारी प्राप्त करने के उद्देश्य से डिप्टी डायरेक्टर जनरल तकमाऊ सिटी कैंडल प्रोविंस कंबोडिया एवं डिप्टी डायरेक्टर जनरल मिनिस्ट्री ऑफ़ सिविल सर्विस कंबोडिया के नेतृत्व में कंबोडिया के प्रशासनिक अधिकारियों का 40 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल द्वारा जनपद गौतमबुद्धनगर का भ्रमण किया गया। कंबोडिया के प्रशासनिक अधिकारियों का प्रतिनिधिमंडल सर्वप्रथम जनपद गौतम बुद्ध नगर के कलेक्ट्रेट सभागार पहुंचा, जहां पर डीएम मनीष कुमार वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी जनार्दन सिंह एवं अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉक्टर नितिन मदान तथा अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा पुष्पगुच्छ देकर कंबोडिया के प्रशासनिक अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया गया।

जनपद गौतमबुद्धनगर के प्रशासनिक अधिकारियों एवं कंबोडिया के प्रशासनिक अधिकारीयों के बीच प्रदेश एवं जनपद के प्रशासनिक ढांचे की कार्यप्रणाली, योजनाओं एवं कार्यक्रमों को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में एक वर्कशॉप का आयोजन किया गया, जिसमें डीएम मनीष कुमार वर्मा द्वारा कंबोडिया के प्रशासनिक अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल को प्रदेश एवं जनपद के प्रशासनिक ढांचे की कार्य प्रणाली के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। वर्कशॉप के आयोजन अवसर पर जिलाधिकारी ने कंबोडिया के प्रशासनिक अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल को केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी कार्यक्रमों एवं योजनाओं के संबंध में विस्तार से अवगत कराया।

जिलाधिकारी के द्वारा पुलिस कमिश्नरेट सेक्टर-108 नोएडा तथा साइबर सुरक्षा सैल के भ्रमण कराया गया। पुलिस कमिश्नरेट सेक्टर-108 नोएडा पहुंचकर उन्होंने पुलिस कमिश्नरेट के कार्य प्रणाली एवं साइबर सुरक्षा सेल किस प्रकार से कार्य करता है इसकी गहन जानकारी प्राप्त की।

वर्कशॉप में कंबोडिया के प्रशासनिक अधिकारियों का प्रतिनिधिमंडल, मुख्य विकास अधिकारी जनार्दन सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ. नितिन मदान, जनपद के प्रशासनिक अधिकारियों एवं विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों के द्वारा प्रतिभाग किया गया।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com